लखनऊ

गुरुवार, 24 जुलाई, 2025

वर्ष : 11 | अंक : 15

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह याद रखना बेहतर होगा कि सभी सफल व्यवसाय नैतिकता की नींव पर आधारित होते हैं। - हैनरी वार्ड बीचर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

30 बुलडोजर लेकर पहुंचे अधिकारी, भड़क उठे सीजेआई, कहा- विकास जरूरी, पर क्या रातोंरात...

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के कांचा गाचीबोवली में वन भूमि को साफ करने के लिए बुलडोजर के इस्तेमाल पर तीखी असहमति जताते हुए कहा कि रातोंरात किए गए ऐसे कार्यों को सतत विकास के रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता। स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही पीठ का नेतृत्व कर रहे भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने कार्यवाही के दौरान टिप्पणी की कि वे सतत विकास के पक्ष में तो हैं, लेकिन इस मामले में वनों की कटाई की प्रकृति और गति अस्वीकार्य है। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान कहा कि मैं स्वयं सतत विकास का समर्थक हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप रातोंरात 30 बुलडोजर लगा दें और सारा जंगल साफ कर दें।

यह मामला तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम (TSIIC) द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना के विकास के लिए कांचा गाचीबोवली वन क्षेत्र में लगभग 400 एकड़ हरित क्षेत्र की कटाई से संबंधित है। कथित तौर पर एक लंबे सप्ताहांत में पेड़ों की तेज़ी से कटाई से व्यापक जन चिंता और न्यायिक हस्तक्षेप हुआ था। मामले में न्यायमित्र नियुक्त वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने न्यायालय को सूचित किया कि कुछ निजी हस्तक्षेपकर्ता राज्य सरकार के हलफनामे पर जवाब देना चाहते हैं। पीठ ने इन जवाबों के लिए समय देने पर सहमति व्यक्त की और मामले को 13 अगस्त को विस्तृत सुनवाई के लिए पुनः सूचीबद्ध कर दिया।

इससे पहले हुई एक सुनवाई में सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के अधिकारियों की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की थी, उन्हें अवमानना की कार्यवाही की चेतावनी दी थी और यहाँ तक सुझाव दिया था कि अगर वे अदालत के आदेशों का पालन करने में विफल रहे, तो दोषी अधिकारियों को उस स्थान पर बनी अस्थायी जेलों में रखा जा सकता है। न्यायालय ने निर्देश दिया था कि स्थल पर यथास्थिति बहाल करना सर्वोच्च प्राथमिकता है और राज्य वन्यजीव वार्डन को वनों की कटाई से प्रभावित वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा था। उसने राज्य सरकार को केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति की स्थल निरीक्षण रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देने के लिए समय भी दिया और जंगल को उसकी पूर्व स्थिति में बहाल करने के लिए एक कार्य योजना प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

2000 घर खरीदारों से धोखा, 1100 करोड़ देने पर भी 14 साल में नहीं मिले मकान, 681 करोड़+ की अचल संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने मेसर्स रामप्रस्थ प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (मेसर्स आरपीडीपीएल) के निदेशकों और बहुसंख्यक शेयरधारकों, अरविंद वालिया और संदीप यादव को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 21.07.2025 को गिरफ्तार किया है। यह मामला 2000 से ज़्यादा घर खरीदारों से धोखाधड़ी से जुड़ा है। इन लोगों ने विभिन्न रियल एस्टेट परियोजनाओं में 14 साल से ज़्यादा समय तक बिना कब्जा दिए लगभग 1100 करोड़ रुपये वसूले थे। दोनों को गुरुग्राम के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत में पेश किया गया। आरोपियों को 25 जुलाई तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। ईडी ने मेसर्स आरपीडीपीएल और उसके प्रमोटरों/निदेशकों के खिलाफ धन शोधन के एक मामले के संबंध में पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत 21.07.2025 को दिल्ली और गुरुग्राम में 03 स्थानों पर तलाशी अभियान भी चलाया। ईडी ने आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), नई दिल्ली और हरियाणा पुलिस द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि मेसर्स आरपीडीपीएल और उसके प्रमोटरों ने वादा किए गए समय सीमा के भीतर वादा किए गए फ्लैट और प्लॉट देने में विफल रहने के लिए विभिन्न घर खरीदारों/प्लॉट खरीदारों को धोखा दिया है, यहां तक कि 10-14 साल से अधिक समय बीत जाने के बाद उन्हें घर नहीं मिला।

संक्षेप

पूर्व सांसद किरण खेर पर 13 लाख का सरकारी किराया बकाया, प्रशासन ने भेजा नोटिस; न चुकाने पर लगेगा 12प्रतिशत ब्याज

चंडीगढ़। चंडीगढ़ से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद किरण खेर पर सरकारी मकान का लाखों रुपये का किराया बकाया है। चंडीगढ़ प्रशासन ने उन्हें सेक्टर-7 में आवंटित एक सरकारी मकान के लाइसेंस शुल्क (किराए) के रूप में लगभग 13 लाख रुपये का भुगतान करने के लिए नोटिस जारी किया है। यह नोटिस पिछले महीने 24 जून, 2025 को भेजा गया था, जिसमें चेतावनी दी गई है कि यदि बकाया राशि समय पर जमा नहीं की गई, तो कुल राशि पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी वसूला जाएगा। प्रशासन के रेंट विभाग के असिस्टेंट कंट्रोलर (एफएंडए) द्वारा भेजे गए नोटिस के अनुसार, पूर्व सांसद पर कुल 12,76,418 रुपये की देनदारी है। यह राशि सेक्टर-7 स्थित सरकारी मकान नंबर अ-6/23 के लाइसेंस शुल्क और उस पर लगे जुर्माने की है। बताया जा रहा है कि बकाए के कुछ हिस्सों पर 100त्न से लेकर 200त्न तक का भारी जुर्माना भी लगाया गया है। प्रशासन ने यह नोटिस किरण खेर के सेक्टर 8-ए में स्थित उनकी निजी कोठी (नंबर 65) के पते पर भेजा है। नोटिस में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि निर्धारित समय के भीतर बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जाता है, तो उन्हें कुल बकाया पर हर साल 12त्न अतिरिक्त ब्याज देना होगा। भुगतान डिमांड ड्राफ्ट या बैंक ट्रांसफर के माध्यम से करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही कहा गया है कि भुगतान करने से पहले कैशियर से विवरण की पुष्टि करना आवश्यक होगा। इस नोटिस के बाद अब किरण खेर को जल्द ही यह बड़ी राशि चुकानी होगी।

डॉक्टर से मिलने में देरी पर महिला रिसेप्शनिस्ट को जानवरों की तरह पीटा

मुंबई। महाराष्ट्र के एक निजी अस्पताल से इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक डॉक्टर से मिलने आए शख्स को जब महिला रिसेप्शनिस्ट ने इंतजार करने के लिए कहा, तो वह आग-बबूला हो गया। गुस्से में उसने न केवल रिसेप्शनिस्ट को लात-घूंसों से पीटा, बल्कि उसके बाल पकड़कर उसे बेरहमी से घसीटा भी। यह पूरी घटना अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घटना शहर के श्री बाल चिकित्सालय नामक एक प्राइवेट अस्पताल की है। जानकारी के अनुसार, अस्पताल के डॉक्टर एक मेडिकल रिप्रजेंटेटिव के साथ मीटिंग कर रहे थे। उन्होंने अपनी रिसेप्शनिस्ट सोनाली प्रदीप कालासरे को निर्देश दिया था कि बैठक के दौरान किसी को भी अंदर न आने दिया जाए। इसी बीच, गोकुल झा नाम का एक व्यक्ति वहां पहुंचा और डॉक्टर से तुरंत मिलने की जिद करने लगा। आरोप है कि गोकुल उस समय नशे की हालत में था। जब रिसेप्शनिस्ट सोनाली ने उसे डॉक्टर के निर्देशों का हवाला देकर इंतजार करने को कहा, तो गोकुल भड़क गया। उसने पहले सोनाली के साथ गाली-गलौज की और फिर उस पर हमला कर दिया।

लोकमान्य तिलक ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी : पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता संग्राम के महान नायक और समाज सुधारक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती पर देश के प्रमुख नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स पर तिलक के योगदान को याद किया और उनके विचारों को देश के लिए प्रेरणादायक बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि लोकमान्य तिलक एक अग्रणी नेता थे, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। वे एक महान विचारक थे, जो ज्ञान और सेवा में विश्वास रखते थे। पीएम ने लिखा, लोकमान्य तिलक को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। उन्होंने स्वतंत्रता की भावना को प्रज्वलित किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिलक को 'स्वराज का उद्घोषक बताते हुए कहा कि उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम को वैचारिक ऊर्जा दी। उन्होंने लिखा, तिलक जी ने गणेशोत्सव और गीता रहस्य के माध्यम से स्वाधीनता को भारतीय संस्कृति से जोड़ा। उनका योगदान युवाओं को हमेशा प्रेरित करेगा। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तिलक को 'स्वराज्य का उद्घोषक और महान विचारक बताते हुए कहा कि उन्होंने गणेशोत्सव और शिवाजी महोत्सव जैसे आयोजनों के जरिए जनता में एकता का भाव जगाया।

उन्होंने लिखा, भारतीय स्वाधीनता संग्राम के अग्रदूत, पूर्ण स्वराज्य के उद्घोषक, महान विचारक, 'लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन करता हूं। लोकमान्य तिलक जी ने गणेश उत्सव और छत्रपति शिवाजी के महोत्सवों जैसे अनेक त्योहारों को सार्वजनिक रूप से मनाकर जन-जन को अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध एकता के भाव को मजबूती प्रदान की। संस्कृति और राष्ट्र की रक्षार्थ आपके तेजस्वी विचार हम सभी को राष्ट्र सेवा एवं समाज के उत्थान के कार्यों के लिए सदैव प्रेरित करते रहेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने तिलक को 'स्वराज्य का मूल मंत्र देने वाला समाज सुधारक बताया। उन्होंने लिखा, लोकमान्य तिलक को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। वहीं, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने तिलक को 'प्रखर राष्ट्रवादी और क्रांतिकारी बताते हुए उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे का कारण देश को बताए सरकार : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने पर सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। इस बीच, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान आया है। उन्होंने कहा कि सरकार को जवाब देना चाहिए कि उन्होंने (जगदीप धनखड़) इस्तीफा क्यों दिया?

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, सरकार को जवाब देना चाहिए कि उन्होंने (जगदीप धनखड़) इस्तीफा क्यों दिया? इसके पीछे क्या वजह है? हमें तो लगता है 'दाल में कुछ काला है।' वरना, उनकी सेहत बहुत अच्छी है, वो खुद से भी ज्यादा आरएसएस और भाजपा का बचाव करते थे, इतना तो उनके लोग भी नहीं करते होंगे। उनकी निष्ठा आरएसएस और भाजपा के साथ थी। जिस तरह से उन्होंने इस्तीफा दिया है, इसके पीछे कौन है और उन कारणों को देश को बताना चाहिए।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी पर उन्होंने कहा, आरएसएस इतिहास को उल्टा लिखने की कोशिश कर रहा है। वे जवाहरलाल नेहरू द्वारा लिखी गई किताब 'द डिस्कवरी ऑफ इंडिया' को भी नकारते हैं। आरएसएस का इतिहास अलग है और देश का इतिहास अलग है।

जगदीप धनखड़ ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 67 (ए) का हवाला देते हुए स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और चिकित्सा सलाह का पालन करने की आवश्यकता बताई।

मानसून सत्र के पहले ही दिन उनके इस्तीफे से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई और विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर सरकार से सवाल किया। कांग्रेस ने दावा किया कि उनके इस्तीफे में बताए गए स्वास्थ्य संबंधी कारण पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि जो दिख रहा है, उससे कहीं अधिक है।

जनसुराज के प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, प्रशांत किशोर ने साधा सरकार पर निशाना, कही यह बात

पटना, एजेंसी। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के नेतृत्व में हजारों समर्थकों पर बुधवार को बिहार की राजधानी में पुलिस द्वारा हल्का बल प्रयोग किया गया, जब वे नीतीश कुमार सरकार की कथित विफलताओं को उजागर करने के लिए विधानसभा मार्च करने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान प्रशांत किशोर ने कहा कि हम शांतिपूर्ण तरीके से जनता का यह ज्ञापन मुख्यमंत्री को देना चाहते हैं कि पिछले 2 सालों में उन्होंने 94 लाख परिवारों को 2 लाख रुपये देने का वादा किया था, लेकिन आज तक एक भी परिवार को एक भी रुपया नहीं मिला। प्रशांत किशोर ने कहा कि सरकार मिलने से इनकार कर रही है, और जब तक सरकार का कोई प्रतिनिधि हमसे नहीं मिलता, हम यहीं बैठे रहेंगे। लड़ाई अभी शुरू हुई है। अभी तीन महीने बाकी हैं। बिहार की जनता बदलाव चाहती है और भ्रष्टाचारियों को हटाना चाहती है। वे विधानसभा में और पुलिस के पीछे नहीं छिप सकते। हम उन्हें ऐसा जवाब देंगे कि पूरा बिहार देखेगा। हम बिहार के सीएम नीतीश कुमार को उनके घर में घेर लेंगे, और पुलिस कुछ नहीं कर पाएगी। पटना की एसपी दीक्षा ने बताया कि उन्हें यहाँ से आगे बढ़ने की इजाज़त नहीं है। ये एक प्रतिबंधित क्षेत्र है, और उन्हें वहाँ जाने की इजाज़त नहीं है। इसके अलावा, इन लोगों से बातचीत चल रही है। अगर वो एक प्रतिनिधिमंडल भेजकर अपनी माँगें बताने को तैयार हैं, तो हम उन्हें सामने रखेंगे।

सावन शिवरात्रि के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने मानसरोवर मंदिर में किया रुद्राभिषेक

नई दिल्ली, एजेंसी। सावन की महाशिवरात्रि देश के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है और तड़के से ही रोशनी से सजे शिव मंदिरों में 'हर-हर महादेव' के जयकारे गूंजने लगे। इसी पावन अवसर पर मुख्यमंत्री और गोरखपीठ के मुख्य पुजारी योगी आदित्यनाथ ने महाशिवरात्रि के भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। उन्होंने हवन और अन्य अनुष्ठान भी किए और लोगों की खुशहाली की कामना की।

सावन शिवरात्रि के अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अंधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, प्राचीन मानसरोवर मंदिर में मुख्यमंत्री ने महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दुर्वा आदि पूजन सामग्री अर्पित कर जल, गोदुग्ध और गन्ने के रस से रुद्राभिषेक किया।

गोरखनाथ मंदिर के पुरोहितों ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों का पाठ कर रुद्राभिषेक कराया। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉक्टर मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान में चुनाव चोरी किए जा रहे...एसआईआर को लेकर ईसी पर राहुल गांधी का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा किए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विपक्ष के विरोध के बीच, कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि देश में चुनावी चोरी चल रही है। गांधी ने संवाददाताओं से कहा कि हिंदुस्तान में चुनाव चोरी किए जा रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान मतदाता सूची से 52 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र में धोखाधड़ी हुई और जब स्पष्टीकरण मांगा गया, तो संवैधानिक संस्था ने नियमों में बदलाव करके उन्हें वीडियो दिखाने से इनकार कर दिया। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह सिर्फ़ 52 लाख वोटों या बिहार की बात नहीं है। उन्होंने महाराष्ट्र में धोखाधड़ी की। हमने चुनाव आयोग से अनुरोध किया कि वह हमें मतदाता सूची दिखाए। उन्होंने हमें वह नहीं दिखाई। हमने कहा, 'हमें वीडियो दिखाओ।' उन्होंने नियम बदल दिए। उन्होंने चुनाव चुरा लिए। महाराष्ट्र में एक करोड़ नए मतदाता हो गए।

गांधी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग बिहार में मतदाता सूची में संशोधन करके पूरी व्यवस्था को बदलने की कोशिश कर रहा है, जब से उन्हें पता चला है कि विपक्ष ने अचानक नए वोटों के आने के पीछे के खेल का पर्दाफ़ाश कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक में, हमने उन्हें धोखाधड़ी करते हुए पकड़ा है। मैं आपको और चुनाव आयोग को दिखाऊँगा। उन्हें एहसास हो गया है कि हम उनके खेल को समझ गए हैं। लोकसभा चुनावों के संदर्भ में, हमने एक निर्वाचन क्षेत्र चुना और उसका गहन अध्ययन किया। हमें उनकी व्यवस्था को समझने में छह महीने लगेः यह कैसे काम करती है, कौन और कहाँ वोट देता है, और नए मतदाताओं को कैसे जोड़ा जाता है। अब वे बिहार में पूरी व्यवस्था बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

संसद के चल रहे मानसून सत्र के दौरान, विपक्षी नेता मांग कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री दोनों सदनों और राष्ट्र को महत्वपूर्ण मुद्दों पर संबोधित करें, जिनमें भयावह पहलगाम आतंकवादी हमला और आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बिहार में चुनाव आयोग द्वारा की जा रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया शामिल है।

भारतीय वायुसेना की ताकत बढ़ी, 'किलर' अपाचे हेलिकॉप्टर का पहला बैच भारत पहुंचा ; यहां होगी तैनाती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना की मारक क्षमता में बड़ा इजाफा हुआ है। दुनिया के सबसे खतरनाक लड़ाकू हेलिकॉप्टरों में शुमार अपाचे का पहला बैच भारत पहुंच गया है। अमेरिकी कंपनी बोइंग द्वारा निर्मित इन अत्याधुनिक हेलिकॉप्टरों को सेना के बेड़े में शामिल किया जाएगा। इनकी पहली तैनाती जोधपुर में होगी, जो रणनीतिक रूप से पश्चिमी सीमा के नजदीक है।

भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताया। सेना ने पोस्ट में लिखा, भारतीय सेना में अपाचे का आगमन! सेना के लिए एक ऐतिहासिक पल। अपाचे हेलिकॉप्टरों के पहले बैच का भारत में स्वागत है। यह सेना की ऑपरेशनल क्षमताओं में महत्वपूर्ण वृद्धि करेगा।

भारत ने अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी बोइंग के साथ साल 2020 में भारतीय सेना के लिए छह र॥-64श्व अपाचे हेलिकॉप्टरों का सौदा किया था। इनकी डिलीवरी पिछले साल ही होनी थी, लेकिन इसमें करीब 15 महीनों की देरी हुई है। मंगलवार को मिली पहली खेप में तीन हेलिकॉप्टर भारत पहुंचे हैं।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह हेलिकॉप्टर भारतीय सेना को मिले हैं। इससे पहले भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही 22 अपाचे हेलिकॉप्टरों का बेड़ा मौजूद है। अब सेना को अपने खुद के अपाचे हेलिकॉप्टर मिलने शुरू हो गए हैं, जिससे जमीनी और हवाई अभियानों में और बेहतर तालमेल स्थापित हो सकेगा।

अपाचे हेलिकॉप्टर अपनी घातक मारक क्षमता, मजबूत कवच और रात में भी ऑपरेशन करने की उन्नत तकनीक के लिए जाने जाते हैं। इनका सेना में शामिल होना पश्चिमी सीमा पर भारत की सैन्य ताकत को कई गुना बढ़ा देगा।

विपक्ष पहलगाम,ऑपरेशन सिंदूर पर राज्यसभा में चर्चा की मांग की, कहा- सुनिश्चित हो PM की मौजूदगी

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा की व्यापार सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में बुधवार को विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग की। विपक्ष ने कहा कि इस मुद्दे पर राज्यसभा में अगले हफ्ते से दो दिन तक 16 घंटे की चर्चा होनी चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए। यह बैठक मानसून सत्र के दौरान हुई, जिसमें विभिन्न दलों के नेता, राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने की। यह बैठक पहले सोमवार को प्रस्तावित थी, लेकिन उसी दिन शाम को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

गोरखपुर में सस्ते फ्लैटों के लिए उमड़ी भीड़

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। देवरिया बाईपास स्थित आवासीय योजना पाम पैराडाइज में सस्ते फ्लैटों को लेकर लोगों में खूब उत्साह दिख रहा है। सोमवार को तकनीकी दिक्कत की वजह से पंजीकरण नहीं शुरू हो सका। मंगलवार को दोपहर बाद जब शुरू हुआ तो दो घंटे के भीतर ही जीडीए के पोर्टल पर 15 आवेदन आ गए।

इनमें छह एलआइजी के तो वहीं नौ ईडब्लूएस के फ्लैट से जुड़े आवेदन शामिल हैं। दो दिनों में संबंधित परियोजना से जुड़ी जानकारी लेने के लिए ही करीब 200 लोग पहुंच चुके हैं। वहीं आवेदन के लिए जरूरी आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए भी सोमवार और मंगलवार को बड़ी संख्या में आवेदन हुए हैं। हालांकि आवेदन के लिए अभी 14 अगस्त तक का मौका है। लाटरी पद्धति से फ्लैटों का आवंटन होगा।

परियोजना के तहत ईडब्लूएस के फ्लैट 5.40 लाख रुपये और एलआइजी के फ्लैट 10.80 लाख रुपये में मिलेंगे। फिलहाल 120 फ्लैट के लिए आनलाइन मोड पर पंजीकरण खोला गया है। आवंटन के लिए लाटरी आनलाइन होगी या आफलाइन, इसको लेकर निर्णय बाद में लिया जाएगा। योजना के तहत पहले चरण में 160 फ्लैट बनाए गए हैं। इनमें 80-80 ईब्डल्यूएस व एलआइजी के फ्लैट शामिल हैं।

इनमें से एलआइजी के 10 और ईडब्लूएस के 30 यानी कुल 40 फ्लैट खोराबार आवासीय टाउनशिप एवं मेडिसिटी योजना में जमीन देने वाले काश्तकारों के लिए आरक्षित हैं। बाकी बचे 120 फ्लैट के लिए आवेदन 21 जुलाई से पंजीकरण शुरू हुआ लेकिन तकनीकी वजह से पहले दिन कोई आवेदन नहीं हो सके। मंगलवार की दोपहर बाद कमियों को दुरुस्त करने के बाद आवेदन शुरू हुए। एलआइजी श्रेणी के 70 और ईडब्लूएस श्रेणी के 50 फ्लैट के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

परियोजना के तहत फ्लैटों का पंजीकरण कराने के लिए आय प्रमाणपत्र जरूरी है। आवेदन के साथ आय प्रमाणपत्र नहीं संलग्न करने पर आवेदन निरस्त हो जाएगा। ईडब्ल्यूएस फ्लैट के लिए तीन लाख रुपये तक वार्षिक आय का प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा, जबकि एलआइजी फ्लैट के लिए तीन से छह लाख के बीच का आय प्रमाणपत्र होना जरूरी है। इसके लिए जिले भर के जनसेवा केंद्रों पर प्रमाणपत्र के लिए आवेदन आने की सूचना मिल रही है।

पंजीकरण के समय 10 प्रतिशत करना होगा जमा

पंजीकरण के लिए प्राधिकरण की ओर से एक महीने का समय दिया गया है। 14 अगस्त आवेदन की आखिरी तारीख तय की गई है। इस बीच जनहित पोर्टल के माध्यम से लोग आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ फ्लैट के कीमत की 10 प्रतिशत राशि जमा करना होगी। आवेदन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद लाटरी निकाल कर आवंटन किया जाएगा।

दूसरी बार भी भेजी गयी फाइनल रिपोर्ट को कोर्ट ने पुनः किया ख़ारिज

सुल्तानपुर। मामला कोतवाली देहात के ग्राम बरसड़ा से संबंधित है जहां की मृतका आफरीन के भाई जहीन ने 18/02/2021 को थाने में तहरीर दिया कि मेरी बहन की शादी 19 मई 2021 को होना तय थी, गाँव के गणेश गुप्ता ने मेरी बहन को और होने वाले पति को फोन कर के शादी ना करने के लिए धमकाया था जिसकी वजह से मेरी बहन ने फासी लगा कर आत्महत्या कर ली थी। भाई की तहरीर पर धारा 306 में एफआईआर तो लिख ली गई, किन्तु विवेचक ने दुर्भावनावष आरोपी गणेश गुप्ता को क्लीन चिट देते हुए फाइनल रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल कर दी। वादी के अधिवक्ता आरिफ हाशमी के द्वारा फाइनल रिपोर्ट को चैलेंज कर एफ आर प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र कोर्ट में दाखिल किया जिसमें वादी के अधिवक्ता ने बताया कि इससे पहले भी थाने द्वारा एफआर दाखिल किया गया था।

उन्नाव में डायरिया रोको अभियान के तहत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में संचालित डायरिया रोको अभियान के तहत जनपद के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय विकासखंड सिकंदरपुर सरोसी में बुधवार को पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी। पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 50 बालिकाओं ने भाग लिया, जिसमें आकांक्षा पहले, अंजली दूसरे और तपस्या तीसरे स्थान पर रहीं। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को डायरिया से सुरक्षित रहने के जरूरी संदेश दिए गए। सांप-सीढ़ी खेल के माध्यम से भी उनको डायरिया के प्रति जागरूक बनाया गया। इन सभी गतिविधियों को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने का संदेश जन-जन तक पहुँचाना रहा।

इस मौके पर विद्यालय की वार्डेन नीलम मिश्रा ने कहा कि भीषण गर्मी और बारिश के दौरान डायरिया के मामले बढ़ जाते हैं। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि और निश्चित मात्रा में लेना बहुत जरूरी होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिले में 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी सहयोग कर रहे हैं। समुदाय में डायरिया के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य के साथ ही बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए आज यह गतिविधियां आयोजित की गयीं।

रक्तदान कर शहीद चन्द्रशेखर आजाद को दी श्रद्धांजलि

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। शहीद चन्द्रशेखर आजाद की जयन्ती के अवसर पर आजाद समाज सेवा समित द्वारा संस्था अध्यक्ष अशोक सिंह के नेतृत्व मे नगर मे प्रभात फेरी निकाल कर शहीद चन्द्रशेखर आजाद सहित नगर मे स्थिति समस्त शहीदो की प्रतिमाओं पर देश भक्ति के जोर दार नारो के साथ माल्यार्पण किया गया और मेडिकल कालेज स्थित ब्लड बैंक में संस्था के 35 पदाधिकारियो ने रक्त दान महादान कर देश को आजाद कराने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। रक्तदान शिविर का शुभारम्भ जनपद के सुप्रसिद्ध सर्जन डॉ एके सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ आर के मिश्रा, पैथालाजी विभागाध्यक्ष डॉ सुपर्णा दूबे, ब्लड बैक प्रभारी डां संजय सिंह व वरिष्ठ समाज सेवी करतारकेशव यादव द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। शुभारम्भ करते हुऐ डॉ एके सिंह व डॉ आरके मिश्रा ने कहा कि रक्तदान बहुत ही पुनीत कार्य है। जहाँ एक ओर रक्तदान करके हम दूसरो की जिन्दगी बचाने का प्रयास कर सकते है वही दूसरी तरफ रक्तदान करने वाले व्यक्ति मे भी रक्त बनाने की क्षमता बढ़ जाती है। और एक स्वस्थ मनुष्य हर तीन माह बाद रक्तदान कर ऐसा पुनीत कार्य कर सकता है। आजाद समाज सेवा समिति द्वारा शहीदो की जयन्ती और पुण्य तिथियो पर ऐसा आयोजन निरन्तर करती रहती है जो अत्यन्त ही सराहनीय कार्य है। इस अवसर पर रक्त दान करने वालो में प्रमुख रूप से सुनील तिवारी, राधवेन्द्र सिंह' मंयक पाण्डेय, अशोक कुमार सिंह, रजत सिंह, रजा अब्बास जैदी' शराफत खान' दिलीप सिंह, ई हरिकेश यादव, अमित तिवारी, आदर्श सिंह, अदनान खान, प्रणव श्रीवास्तव' सिकन्दर सिंह' प्रवीण दीक्षित, स्वालेखान, दीपक सिंह, रियासत अली, ई आसुतोष कुमार सिंह, राजकरन' विनोद रावत, अमित शर्मा, कुल 35 पदाधिकारियो ने रक्तदान किया।

'चंद्रशेखर आजाद अमर रहें' जैसे नारों से गूंजा आजाद पार्क

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। 'चंद्रशेखर आजाद अमर रहें', 'भारत माता के वीर सपूत अमर रहें' जैसे नारों से बुधवार को आजाद स्मारक स्थल गूंजता रहा। पुलिस बैंड ने देश भक्ति की धुन बजाई और स्कूलों से पहुंचे छात्र छात्राओं ने तराने गाए।

अमर बलिदानी चंद्रशेखर आजाद की 119वीं जन्मतिथि पर अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क से इलाहाबाद संग्रहालय तक धूम मची। आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा कि आज हम सभी स्वतंत्र हैं और इसके लिए न जाने कितने देशभक्तों ने अपने प्राणों की बलि दी है।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद एवं शहीद-ए-आजम भगत सिंह स्मारक समिति ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर आजाद पार्क में

जन्मतिथि मनाई। परिषदीय और माध्यमिक स्कूलों के छात्र छात्राएं पहुंचे। अतिथियों ने आजाद की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें नमन किया।

मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि अंग्रेजों ने निर्दोष भारतीयों पर जुल्म ढाए थे, विरोध में जो भी स्वर उठे उन पर कोड़े बरसाए जाते थे। स्वतंत्रता आंदोलन में आजाद, भगत सिंह, राम प्रसाद बिस्मिल, सुखदेव, ठाकुर रोशन सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने अंग्रेज अफसरों के छक्के छुड़ा दिए। हम सभी को उनकी कुर्बानी को याद रखना होगा, स्वतंत्रता आसानी से नहीं मिली है। कहा कि आज हम स्वतंत्र हैं तो देश को मजबूत करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा और मान, सम्मान, मर्यादा का आदर्श स्थापित करना होगा। आजाद स्मारक स्थल पर उप्र सशस्त्र पुलिस बल ने 21 गनशाट फायर कर क्रांतिकारियों को सलामी दी। आयोजन में राजू मरकरी, महासचिव राजबहादुर गुप्ता आदि का योगदान रहा।

आजाद की पिस्तौल रही कौतुहल

इलाहाबाद संग्रहालय ने अपने सेंट्रल हाल में चंद्रशेखर आजाद की पिस्तौल का प्रदर्शन किया। यह पिस्तौल 22 महीने से संग्रहालय के सुरक्षित संग्रह में रखी थी। इसका एक दिनी प्रदर्शन हुआ है। संग्रहालय पहुंचे लोगों ने इस पिस्तौल को देखकर ही आजाद और उनकी वीरता को नमन किया।

अनियंत्रित डंपर ने सड़क पर मचाया कहर, एक की मौत और दो घायल, आक्रोशित लोगों ने ड्राइवर को पीटा

आर्यावर्त संवाददाता

घाटमपुर। अनियंत्रित डंपर ने बुधवार को सजेती कस्बे में कहर ढाया। उसने एक विक्की, साइकिल और कार में टक्कर मारी। इसके साथ ही हाइवे पर पैचवर्क कर रहे पीएनसी के मजदूर को रौंद दिया। हादसे के बाद नाराज लोगों ने डंपर चालक को जमकर पीट दिया। चालक समेत दो घायलों को घाटमपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

बुधवार सुबह एक डंपर हमीरपुर की ओर से घाटमपुर की ओर जा रहा था। सजेती में सोसाइटी के पास उसने आगे चल रहे विक्की में टक्कर मार दी। हादसे में विक्की सवार मऊनखत गांव निवासी 60 वर्षीय कैलाश नारायण उर्फ राजू मिश्रा घायल हो गए। अनियंत्रित डंपर ने इसके बाद साइकिल सवार अज्योरी निवासी 65 साल के महावीर को भी टक्कर मारकर घायल कर दिया।

बेकाबू डंपर ने फिर आगे चल रही कार को टक्कर मारी और सड़क के दूसरी लेन पर पैचवर्क का काम कर रहे पीएनसी के मजदूर को रौंद दिया। उसकी पहचान हमीरपुर जिले के भौली निवासी 30 वर्षीय राधेश्याम के रूप में हुई है। वह गुरैयनपुर निवासी अपनी बहन के यहां रहता था। वहीं, कार चालक को चोट नहीं आई है।

हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने डंपर चालक उन्नाव जिला के पुरवा थाना क्षेत्र के 30 वर्षीय राजेंद्र को जमकर पीट दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक के साथ ही राजू और महावीर को घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया। यहां से सभी घायलों को कानपुर रेफर किया गया है।

सजेती थाना प्रभारी कमलेश राय ने बताया कि स्वजन को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। हादसा करने वाला डंपर कब्जे में है। जांच की जा रही है।

पति की हत्या के बाद बेडरूम में दफना दी लाश, 15 दनि तक उसी कमरे में प्रेमी संग बनाती रही संबंध ; फिर ...

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के अभयचंद पट्टी (कलीचाबाद) निवासी युवक की मुंबई के नाला सोपारा में उसकी पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर नृशंस हत्या कर दी। कमरे में ही गड्ढा खोदकर शव दफना कर टाइल्स लगवा दिया। हैरान कर देने वाली बात यह रही कि करीब एक पखवारे तक उसी कमरे में प्रेमी के साथ रंगरेलियां मनाती रही।

भाइयों के तलाश करने व दुर्गंध उठने पर राजफाश का आभास होने पर छह वर्षीय पुत्र को लेकर बिहार निवासी प्रेमी संग भाग गई। सोमवार को पुलिस ने शव बरामद किया। खबर आते ही घर में कोहराम मच गया। मंगलवार की शाम मुंबई में ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

अभयचंद पट्टी निवासी अमर सिंह चौहान उर्फ मल्लू मुंबई में राजमिस्त्री का काम करते थे। धीरे-

धीरे अपने चारों पुत्रों अजय, विजय, अखिलेश व दीपक को भी वहीं बुलाकर अपना ही काम सिखाकर लगा दिया। इसके बाद वर्षों पूर्व खुद घर आकर रहने लगे। इस दौरान विजय चौहान ने नाला सोपारा में निजी घर बनवा लिया। चारों भाई उसी में साथ रहने लगे।

लगभग आठ वर्ष पूर्व विजय चौहान की शादी जफराबाद थाना क्षेत्र के हौज निवासी दूधनाथ चौहान की पुत्री चमन उर्फ कोमल चौहान के साथ धूमधाम से हुई। शादी के कुछ माह बाद चमन पति विजय के मुंबई चली गई। तब अन्य तीन भाई नाला सोपारा में ही किराए पर कमरे लेकर रहने लगे। शादी के दो वर्ष बाद पुत्र पैदा हुआ। विजय चौहान ओवरटाइम भी करता था। पड़ोस में ही रहने वाले बिहार निवासी मोनू प्रजापति से चमन उर्फ कोमल का प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। वह प्रेमी संग रंगरेलियां मनाने लगी। पता चलने पर विजय चौहान ने एतराज किया तो जमकर विवाद हो गया। तब उसने प्रेमी संग मिलकर विजय को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली।

करीब 20 दिन पूर्व घटना को दिया अंजाम

लगभग 20 दिन पूर्व पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर विजय की हत्या कर दी। शव के तीन टुकड़े कर प्लास्टिक के थैले में रखकर कमरे में तीन-चार फीट गहरा गड्ढा खोदकर दफन कर दिया। ऊपर से टाइल्स लगा दिया। टाइल्स पर ही बेड रख दिया और प्रेमी के साथ निर्भय होकर रहने लगी। विजय के नजर न आने पर भाई अखिलेश करीब एक पखवारे पूर्व हालचाल लेने कमरे पर पहुंचा तो चमन ने यह कहकर लौटा दिया कि कहीं काम लगाए हैं। इन दिनों वहीं रहते भी हैं। कुछ दिन बाद फिर गया तो फिर बहाना बनाकर लौटा दिया। तभी अखिलेश की नजर कमरे में कुछ हिस्से में दूसरे रंग की लगी टाइल्स पर पड़ी। तो माथा ठनक गया। वह और अधिक पूछताछ करने लगा तो राजफाश होने की डर से चार-पांच दिन पूर्व ताला लगाकर बेटे को साथ लेकर प्रेमी संग चमन भाग गई।

सोमवार को भाइयों ने तोड़ा कमरे का ताला, दी पुलिस को सूचना

सोमवार को अखिलेश अन्य भाइयों के साथ कमरे पर पहुंचा तो ताला बंद मिला। भीतर से कुछ दुर्गंध आने पर पास-पड़ोस के लोगों को जुटाकर कमरे का ताला तोड़ा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने खोदाई कराई तो देररात विजय का शव मिला। भाइयों ने घर पर खबर दी तो करुण-क्रंदन मच गया।

पसंद नहीं था गांव का नाम, इस्लामपुर से सीतारामपुर करने के लिए भिड़ाए कई जुगाड़... नहीं बनी बात तो सिरफिरे ने छोड़ा गांव, अब कर रहा ये जिद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से अजब-गजब मामला सामने आया है। यहां एक सिरफिरे शख्स को अपने गांव का नाम पसंद नहीं था। इसलिए उसने परिवार के साथ मिलकर यह गांव ही छोड़ दिया। उसने गांव का नाम बदलने के लिए कई पैंतरे अपनाए थे। मगर कहीं बात न बनी। यहां तक कि चुनाव तक लड़ डाला, ताकि चुनाव जीतकर वो गांव का नाम बदलवा सके। मगर यहां भी वो फेल हो गया। अब शख्स नई जिद पकड़े हुए है। उसका कहना है कि वो इस बारे में सीधे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात करेगा। पुलिस ने इस शख्स को हिरासत में ले लिया है।

मामला गुलरिहा थानाक्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, यहां रहने वाले एक सिरफिरे को उसके गांव का नाम पसंद नहीं, इसके लिए चार साल से परिवार सहित घर छोड़ दिया। गांव की 98 प्रतिशत हिन्दू आबादी बताकर

गांव नाम सीतारामपुर करने के लिए आईजीआरएस तक कर डाली। राजस्व संहिता में गांव का नाम नहीं बदलने का हवाला देकर अधिकारियों ने मामले का निस्तारण कर दिया तो सिरफिरे ने परिवार सहित घर छोड़ दिया।

इस तरह से बॉलीवुड की लुटिया डुबो रहे हैं बड़े स्टार्स और OTT! आंकड़े जान हो जाएंगे हैरान

सोमवार को मुख्यमंत्री से मिलने लखनऊ कार्यालय पहुंच गया। बेवजह मिलने की जिद करने पर गौतमपल्ली थाना पुलिस गुलरिहा पुलिस से तफ्तीश कर सिरफिरे का शांति भंग में चालान कर दिया। जिले के गुलरिहा क्षेत्र के इस्लामपुर निवासी श्याम तिवारी पिछले पंचायत चुनाव में ग्राम प्रधानी का पर्चा भरा था। उसने अपने गांव वालों से वादा किया था कि चुनाव जितने पर गांव का नाम बदलवा देगा, लेकिन चुनाव हार गया। उसने गांववालों से वोट न देने का कारण पूछा तो गांव वालों ने उससे कह दिया कि नाम बदलेगा तब जिताएंगे।

हर बार अपनाता नया तरीका

इसके बाद तो वह गांव का नाम बदलवाने में पूरी तरह जुट गया। आलम यह है कि जब भी मौका मिलता गांव का नाम बदलवाने के लिए कुछ ना कुछ तरीका अपनाता। साल 2024 में किए आईजीआरएस में लिखा कि ग्राम सभा में 98% हिंदू आबादी है। फिर भी हमारे ग्रामसभा का नाम इस्लामपुर है। इससे मै काफी आहत हुं और चार साल से परिवार लेकर बाहर रह रहा हूं। गांव का नाम सीतारामपुर किया जाए।

सीएम से मिलने की जिद

हालांकि, राजस्व संहिता में ग्राम सभा का नाम परिवर्तन करने का कोई प्रावधान न होने का हवाला देकर आईजीआरस का निस्तारण कर दिया गया। श्याम तिवारी पिछले सप्ताह गांव के बाहर आया था और वापस कानपुर लौट गया, कानपुर से वह लखनऊ पहुंचकर गांव का नाम बदलवाने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंच गया। वहां वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने की जिद पर अड़ गया। अधिकारियों ने समझाने की कोशिश की लेकिन अपनी जिद पर अड़ा रहा। बाद में पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

विकास दुबे गैंग के बाद दूसरे नंबर का बड़ा गैंग,अवनीश दीक्षित गैंग में 26 सदस्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। बिकरूकांड के विकास दुबे गैंग के बाद सरे नंबर का सबसे बड़ा गैंग अवनीश दीक्षित का हो गया है। अवनीश के गैंग में पहले 16 सदस्य थे, लेकिन अब 10 और नए नाम जुड़ने से संख्या 26 हो गई। ये गैंग कानपुर का पहला इंटररेंज गैंग-एक पंजीकृत हुआ है, जबकि विकास दुबे का 30 सदस्यों का गैग पंजीकृत हुआ था। अवनीश गैंग में जुड़े नए नामों में पत्रकार राहुल बाजपेई, रमन गुप्ता और जितेंद्र यादव को रेलबाजार थाना पुलिस ने देर रात सीओडी पुल के पास से गिरफ्तार किया था, जिन्हें मंगलवार को जेल भेजा गया।

कोतवाली के तत्कालीन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संतोष शुक्ला ने 18 दिसंबर 2024 को प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष किदवई नगर एच ब्लाक निवासी अवनीश दीक्षित, झांसी के नवाबाद के झोकनबाग निवासी हरेंद्र मसीह, उसके साथी राहुल वर्मा, मौरिस एरियल, कमला एरियल, अभिषेक एरियल, अर्पण एरियल, जीतेश झा, संदीप शुक्ला, विक्की चार्ल्स, अली अब्बास, जितेन्द्र शुक्ला, विवेक पांडेय, मनोज यादव, मो. वसीम, अखलाख अहमद के खिलाफ गैंग्सटर मुकदमा दर्ज कराया था। इसकी जांच पहले किदवई नगर थाने को दी गई थी, लेकिन बाद में जांच रेलबाजार थाना प्रभारी बहादुर सिंह को दे दी गई। उन्होंने विवेचना की और 10 नए और नाम प्रकाश में आए, जिन्हें भी अवनीश गैंग में शामिल किया। इनमें चकेरी मंगला विहार निवासी पत्रकार अमन तिवारी, बिरहाना रोड निवासी अभिनव शुक्ला, राहुल बाजपेई, मोती मोहाल निवासी रमन गुप्ता, कारवालो नगर निवासी नितिन दीक्षित, हालसी रोड निवासी जितेन्द्र यादव, विनोद यादव और विजेंद्र यादव, यशोदा नगर निवासी मोहित बाजपेई, किदवई नगर के अजीत सिंह यादव हैं।

इससे अवनीश का गैंग कानपुर का पहला इंटररेंज गैंग के रूप में पंजीकृत हुआ, जो बिकरूकांड के आरोपित कुख्यात अपराधी विकास दुबे के गैंग के बाद दूसरा सबसे बड़ा गैंग मना गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हालांकि अभी अवनीश दीक्षित के गैंग में और भी कई आरोपितों का नाम शामिल हो सकता है। सभी जोनों में इसकी अधिकारी जांच व समीक्षा कर रहे हैं।

अवनीश गैंग के नए सदस्यों में राहुल बाजपेई, रमन गुप्ता और जितेन्द्र यादव को सोमवार को रेलबाजार थाना पुलिस ने सीओडी पुल के पास से गिरफ्तार किया है, जिन्हें पुलिस ने मंगलवार को जेल भेजा है। रेलबाजार थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि अन्य आरोपितों की तलाश में पुलिस दबिश दी जा रही है। जल्द उनकी भी गिरफ्तारी होगी। सिविल लाइन स्थित मैरी एंड मैरीमेन स्कूल की एक हजार करोड़ रुपये की कीमत की जमीन पर कब्जेदारी को लेकर 28 जुलाई 2024 को बवाल हुआ था, जिसमें लेखपाल विपिन कुमार को नजूल की बताते हुए मुख्य साजिशकर्ता झांसी के हरेंद्र मसीह, अवनीश दीक्षित समेत 13 आरोपितों पर कोतवाली थाने में नामजद मुकदमा कराया गया था। उन सभी 13 आरोपितों को जेल हुई थी। इसके बाद विचेचना में तीन नए नाम सामने आए। मामले में कोतवाली इंस्पेक्टर ने हरेंद्र मसीह व अवनीश दीक्षित, राहुल वर्मा, मौरिस एरियल, कमला एरियल, अभिषेक एरियल, अर्पण एरियल, जीतेश झा, संदीप शुक्ला, विक्की चार्ल्स, अली अब्बास, जितेन्द्र शुक्ला, विवेक पांडेय, मनोज यादव, मो. वसीम, अखलाख अहमद के खिलाफ 3200 पेज की चार्जशीट कोर्ट में लगाई थी।

महिला रिक्रूट्स की शिकायत पर सेनानायक-प्लाटून कंमाडन निलंबित

बाथरूम में कैमरा होने की बात का खंडन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोरखपुर स्थित 26वीं वाहिनी पीएसी में प्रशिक्षण ले रहीं नवचयनित महिला सिपाहियों द्वारा बुधवार को अव्यवस्थाओं के खिलाफ किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद शासन और पुलिस मुख्यालय ने सख्त रुख अपनाया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सेनानायक आनंद कुमार और प्लाटून कमांडर संजय राय को निलंबित कर दिया गया है।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सेनानायक आनंद कुमार को पर्यवेक्षण में शिथिलता और उत्तरदायित्व निर्वहन में लापरवाही का दोषी पाया गया है। वह 2015 बैच के प्रमोटी आईपीएस अधिकारी हैं। वहीं, प्लाटून कमांडर एवं आरटीसी प्रभारी संजय राय पर महिला प्रशिक्षुओं की शिकायतों का समय से समाधान न करने का आरोप है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीजी पीएसी आर.के. स्वर्णकार को गोरखपुर भेजा गया है, जो महिला सिपाहियों की समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया में जुटे हैं।

बाथरूम में कैमरा होने की शिकायत तथ्यहीन

आईजी पीएसी मध्य जोन डॉ. प्रीतिंदर सिंह ने बताया कि तकनीकी कारणों से विद्युत आपूर्ति बाधित होने के कारण अस्थायी रूप से जलापूर्ति प्रभावित हुई थी। इस समस्या का समाधान कर दिया गया है। बाथरूम में कैमरा लगाने की बात जांच में पूरी तरह से निराधार और तथ्यहीन पाई गई है। महिला आरक्षियों के साथ अभद्रता करने वाले पीटीआई को निलंबित कर दिया गया है। इस प्रकरण में अनुशासनहीनता एवं सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डीजीपी बोले : आरोपों को गंभीरता से लिया गया

डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि गोरखपुर स्थित 26वीं वाहिनी पीएसी में रिक्रूट महिला आरक्षियों द्वारा बताई गई समस्याओं का शासन एवं पुलिस मुख्यालय ने गंभीरता से संज्ञान लिया है। तथ्यों एवं प्रारंभिक जांच के आधार पर 26वीं वाहिनी के सेनानायक आनंद कुमार को शिथिल पर्यवेक्षण एवं उत्तरदायित्व निर्वहन में लापरवाही करने का दोषी पाए जाने पर निलंबित कर दिया गया है। आनंद कुमार 2015 बैच के प्रमोटी आईपीएस हैं। इसके अलावा प्लाटून कमांडर एवं आरटीसी प्रभारी संजय राय को भी महिला प्रशिक्षुओं की समस्याओं का समय से निराकरण न करने के कारण निलंबित कर दिया गया है।

उपराष्ट्रपति के त्यागपत्र को लेकर प्रमोद तिवारी का तीखा हमला, पूछा- इस्तीफा दिया गया है या लिया गया?

लखनऊ। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा अपना कार्यकाल पूरा किए बिना त्यागपत्र देने को अत्यंत दुखद, दुर्भाग्यपूर्ण और देश के लिए हतप्रभ करने वाला बताया है। उन्होंने सीधे तौर पर भाजपा पर संवैधानिक पदों के अपमान का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की ओर से उपराष्ट्रपति को उनके पद से सम्मानजनक विदाई तक नहीं दी गई, जो संसदीय परंपराओं का घोर उल्लंघन है।तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उपराष्ट्रपति को लेकर किए गए ट्वीट में धन्यवाद या प्रशंसा का एक भी शब्द न होना यह दर्शाता है कि यह त्यागपत्र स्वेच्छा से दिया गया या फिर दबाव में लिया गया — इस पर गहन सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कार्य मंत्रणा समिति की बैठक का हवाला देते हुए कहा कि त्यागपत्र के दिन देर शाम तक धनखड़ पूरी तरह स्वस्थ दिखे।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चंद्रशेखर आज़ाद की जयंती पर किया नमन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को अपने आवास, 7-कालिदास मार्ग स्थित कैम्प कार्यालय पर 'अमर शहीद' चंद्रशेखर आज़ाद की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत माता के वीर सपूत चंद्रशेखर आज़ाद का जीवन साहस, त्याग और मातृभूमि के प्रति अद्वितीय प्रेम की अमिट मिसाल है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस क्रांति की मशाल चंद्रशेखर आज़ाद ने अपने हाथों में थामी, वह आज भी देशवासियों के हृदय में राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रज्वलित करती है।मौर्य ने उन्हें 'नर-नाहर' की संज्ञा देते हुए कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की जीवन यात्रा राष्ट्रीय स्वाभिमान की अनुपम प्रेरणा है। उनका जीवन चरित्र आने वाली पीढ़ियों को साहस, बलिदान और राष्ट्रनिष्ठा के मूल्यों से ओतप्रोत कर उन्हें देशसेवा की ओर प्रेरित करता रहेगा।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे चंद्रशेखर आज़ाद जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में कार्य करें और देश के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

ऊर्जा मंत्री ए .के . शर्मा ने दी सख्त चेतावनी : विद्युत आपूर्ति में बाधा, ट्रिपिंग और ट्रांसफार्मर जलने की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा की अध्यक्षता में शक्ति भवन, लखनऊ में ऊर्जा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विद्युत आपूर्ति की स्थिति, उपभोक्ताओं की शिकायतों, ट्रांसफार्मरों की बार-बार जलने की घटनाएं, ट्रिपिंग और मानसून जनित व्यवधानों पर गहन चर्चा की गई।बैठक में ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि विद्युत आपूर्ति में किसी भी तरह की बाधा न आने पाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि फील्ड में जाकर कार्य करें और उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने चेताया कि उपेक्षा और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।शर्मा ने निर्देशित किया कि ट्रांसफार्मरों की क्षमता आवश्यकता के अनुसार समय रहते बढ़ाई जाए ताकि ओवरलोडिंग से वे न जलें। साथ ही, विजिलेंस टीमों को सख्त हिदायत दी गई कि केवल वास्तविक मामलों में ही कार्रवाई करें और किसी भी प्रकार की गलत रिपोर्टिंग से बचें, जिससे जनता में भ्रम न फैले।ऊर्जा मंत्री ने टोल फ्री नंबर, पोर्टल और सोशल मीडिया पर आने वाली उपभोक्ताओं की शिकायतों की नियमित निगरानी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता से सीधा संवाद बनाएं, जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकें करें और संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित भ्रमण करें।बैठक में ऊर्जा मंत्री ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे अधिक विद्युत आपूर्ति करने वाला राज्य बन चुका है और यह सरकार की प्रतिबद्धता का परिणाम है कि इतनी बड़ी आबादी को लगातार बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। मानसून जनित किसी भी बाधा को तुरंत ठीक कर विद्युत सेवा को निर्बाध रखा जाए।बैठक में मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सभी जनपदीय अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

धार्मिक मार्गों के विकास को मिली रफ्तार, प्रदेश सरकार ने जारी किए 16.09 करोड़ रुपये

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने धर्मार्थ मार्गों के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं समग्र विकास को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य सरकार ने एकमुश्त व्यवस्था योजना के तहत विभिन्न जनपदों में चल रहे 08 कार्यों के लिए कुल 16 करोड़ 09 लाख 88 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की है।इस वित्तीय स्वीकृति में बस्ती जनपद के तीन, संतकबीरनगर और रायबरेली के दो-दो तथा मुजफ्फरनगर जनपद के एक कार्य को शामिल किया गया है। यह सभी कार्य धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मार्गों के सुधार और क्षेत्रीय श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चयनित किए गए हैं।सरकार द्वारा इन परियोजनाओं की सुचारु प्रगति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक शासनादेश लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। यह प्रयास न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने विभागीय अधिकारियों को रिक्त पदों की भरपाई और पर्यटन नीति संशोधन के लिए कड़े निर्देश दिए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने आज गोमती नगर स्थित पर्यटन भवन में विभागीय अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। उन्होंने पर्यटन एवं संस्कृति विभाग में रिक्त पदों को भरने के लिए निरंतर अनुश्रवण करने तथा जिला स्तर पर पर्यटन परिषद के कार्यों का सशक्त संकलन कर सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया।मंत्री ने क्षेत्रीय कार्यालयों की गतिविधियों की साप्ताहिक समीक्षा मुख्यालय स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा करने के निर्देश भी दिए। साथ ही पर्यटन नीति के अंतर्गत अन्य राज्यों की नीतियों का अध्ययन कर उत्तर प्रदेश की पर्यटन नीति को संशोधित करने का काम तेजी से पूरा करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन जमीन पर प्रत्यक्ष दिखना चाहिए और इस दिशा में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।यवीर सिंह ने पिछली समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के शत-प्रतिशत अनुपालन न मिलने पर नाराजगी जताते हुए लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का एलान किया। उन्होंने गंगा ग्राम परियोजना के तहत गंगा के किनारे बसे गांवों और स्थलों की पहचान कर मुख्यालय को रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।विदेश मंत्रालय से बौद्ध देशों में रोड शो का प्रस्ताव प्राप्त कर संबंधित एंबेसी के साथ समन्वय बनाकर विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी मंत्री ने दिए। उन्होंने इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए व्यापक योजना तैयार करने तथा थारू संस्कृति के गांव में होम स्टे सुविधाएं प्रदान करने की भी बात कही।र्यटन विभाग की जनपद स्तर की जमीनों का चिन्हांकन कर अवैध कब्जों को हटवाने और इसकी रिपोर्ट मुख्यालय को उपलब्ध कराने के लिए जिलाधिकारियों से समन्वय करने के निर्देश भी मंत्री ने दिए। इसके साथ ही प्रदेश के पर्यटन स्थलों, ग्रामीण पर्यटन एवं होम स्टे की ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग की व्यवस्था दुरुस्त करने पर भी जोर दिया गया।जयवीर सिंह ने विभाग की संचालित इकाइयों के लाभ-हानि का तुलनात्मक विवरण तैयार कर घाटे में चल रही इकाइयों को लाभकारी बनाने अथवा उन्हें पीपीपी मॉडल/कॉन्ट्रेक्ट पर देने के लिए उचित कदम उठाने को कहा। उन्होंने पर्यटन स्थलों पर इतिहास लेखन व प्रचार-प्रसार हेतु शिलापट्ट लगाने तथा राष्ट्रीय-आंतर्राष्ट्रीय ट्रैवल मार्ट में विभाग की सक्रिय भागीदारी की समीक्षा की।ही पर्यटक आवास गृहों के उपयोग एवं संचालन की समीक्षा करते हुए पीपीपी मॉडल पर संचालित इकाइयों से किराया प्राप्ति की स्थिति की जानकारी भी ली गई। इसके अतिरिक्त विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत एवं चल रहे निर्माण कार्यों के लोकार्पण, शिलान्यास तथा शेष कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक में दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर भी किए गए।संस्कृति विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने पिछली समीक्षा में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति पर असंतोष जताया तथा भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधीनस्थ संस्थानों में रिक्त पदों की भर्ती के लिए भेजे गए आवेदन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की।मूर्ति क्रय एवं आपूर्ति, स्वीकृत योजनाओं की प्रगति तथा संस्थानों एवं अकादमियों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए।

गौसेवा, पशु कल्याण और शिक्षा के संगम पर लखनऊ नगर निगम की अनूठी पहल

महापौर व नगर आयुक्त ने गौशालाओं और विद्यालय का किया संयुक्त निरीक्षण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा संचालित गौशालाओं और पशु कल्याण कार्यक्रमों की प्रगति तथा उनके साथ जुड़े सामाजिक सरोकारों की व्यापक समीक्षा के लिए बुधवार को महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने संयुक्त निरीक्षण किया। यह निरीक्षण जरहारा इंदिरा नगर स्थित राधा उपवन गौशाला और नादरगंज, सरोजनी नगर स्थित कान्हा उपवन गौशाला में किया गया। दोनों स्थलों पर 10,000 से अधिक गौवंशों की देखरेख की जा रही है, जहां चारा, चिकित्सा, सुरक्षा, सफाई और अन्य व्यवस्थाओं की गहन जांच की गई।निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गौशालाओं में हरा चारा, भूसा, स्वच्छ पेयजल, सीसीटीवी निगरानी, बीमार गौवंशों के लिए विशेष चिकित्सा सुविधा, शेड, ईयर टैगिंग और टीकाकरण जैसी सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक हैं। महापौर ने विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि छोटे और बड़े गौवंशों के लिए भोजन, स्थान और चिकित्सा की अलग व समयबद्ध व्यवस्था हो।नगर आयुक्त ने श्वान बंध्याकरण केंद्र और निर्माणाधीन एबीसी ट्रेनिंग सेंटर की प्रगति की समीक्षा करते हुए जल्द निर्माण कार्य पूर्ण कर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान महापौर ने कान्हा उपवन परिसर में संचालित विद्यालय का भी दौरा किया और बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने नगर आयुक्त को निर्देशित किया कि विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के लिए निशुल्क शिक्षा के साथ-साथ स्टेशनरी सामग्री की भी समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि संसाधनों के अभाव में कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए।महापौर ने कहा, ₹गौसेवा, पशु कल्याण और बच्चों की शिक्षा – ये केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारियां हैं। नगर निगम लखनऊ इन सभी क्षेत्रों में संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य कर रहा है।₹निरीक्षण के पश्चात महापौर ने सभी व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया और कहा कि गौवंश संरक्षण हमारी सांस्कृतिक विरासत है, जिसकी रक्षा के लिए नगर निगम पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को इस सेवा कार्य के लिए बधाई भी दी।

धर्मांतरण के मुद्दे पर आम जनमानस में अलख जगायेगा राष्ट्रीय सनातन संघ, आयोजित होंगे बड़े कार्यक्रम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। संगठन को विस्तार देने और उत्तर प्रदेश में धार्मिक आस्था को गति देने के लिए राष्ट्रीय सनातन संघ की एक बड़ी बैठक लखनऊ मुख्यालय पर हुई। इस बैठक में राजधानी के प्रमुख लोगों को अहम जिम्मेदारी दी गयी।

लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार स्थित मुख्यालय पर राष्ट्रीय सनातन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश खरे की अगुवाई में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगे आने वाले दिनों में लखनऊ में कई बड़ें धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। ताकि सनातन के मूल्यों को विस्तार दिया जा सके और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर आम जनमानस को जागरूक किया जा सके।

उक्त बैठक की जानकारी देते हुए संघ के राष्ट्रीय मीडिय प्रभारी राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में जिन लोगों को संरक्षक की जिम्मेदारी दी गयी उनमें वरिष्ठ भाजपा प्रवक्ता हरीशचंद्र श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी डा. अनूप कुमार श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी उमेश कुमार श्रीवास्तव, प्रबंधक महर्षि विद्यामंदिर अनूप कुमार श्रीवास्तव शामिल रहे। जबकि विमलेश श्रीवास्तव को राष्ट्रीय महासचिव, राजन श्रीवास्तव को राष्ट्रीय सचिव, मनोज कुमार श्रीवास्तव को प्रदेश सचिव, रज्जन लाल श्रीवास्तव को प्रदेश महासचिव, मनीष शुक्ला को प्रदेश सचिव, ताराचंद्र को लखनऊ का सचिव, एकता भटनागर को प्रदेश महिला सचिव तथा सुशील कुमार बच्चा को प्रदेश महासचिव बनाया गया।

बीबीएयू ने शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए प्रवेश निर्देशिका जारी की, 24 नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। स्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश निर्देशिका जारी कर दी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने 24 नवीन पाठ्यक्रमों की घोषणा की है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की भावना के अनुरूप बहुविषयक, लचीले और नवाचारपूर्ण शिक्षा ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। ये पाठ्यक्रम तकनीक, मीडिया, कृषि, स्वास्थ्य, योग और भाषाओं सहित विविध क्षेत्रों को समाहित करते हैं।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि बीबीएयू केवल डिग्री प्रदान करने वाला संस्थान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास का केंद्र है। उन्होंने बताया कि उद्योगों की मांग, तकनीकी दक्षता और सामाजिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नए पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं, जिनमें थ्योरी और प्रैक्टिकल का संतुलन है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय मल्टीपल स्किल्स को प्रोत्साहित करने के लिए सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी संचालित कर रहा है, जिन्हें छात्र अपनी नियमित पढ़ाई के साथ कर सकते हैं।नए शुरू किए गए पाठ्यक्रमों में पीजी डिप्लोमा के अंतर्गत सोशल मीडिया मार्केटिंग, फिल्म एवं थिएटर एक्टिंग एवं एडिटिंग, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, जनसंचार एवं पत्रकारिता में डिजाइन और ग्राफिक्स, मैन्यूस्क्रिप्टोलॉजी, कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस, पोस्ट हार्वेस्ट टैक्नोलॉजी शामिल हैं। वहीं सर्टिफिकेट कोर्स में रेडियो जॉकी (आरजे) एवं वीडियो जॉकी (वीजे) प्रशिक्षण, बेकरी एवं कन्फेक्शनरी, साइबर सिक्योरिटी, आयुर्वेदिक न्यूट्रीशन एंड वेलनेस जैसे विकल्प दिए गए हैं। इसके अलावा एमएससी इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डाटा साइंस, एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग, बी.वोक इन हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म जैसे नवाचारपूर्ण पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं।कुछ कोर्सेस विशेष विभागों जैसे पत्रकारिता, कृषि विज्ञान, योग विज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) से जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.bbau.ac.in के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन प्रारंभ हो चुकी है। यूजी कोर्सेस के लिए सीयूईटी (CUET) स्कोर अनिवार्य है, जबकि कई पीजी/डिप्लोमा कोर्सेस के लिए सीधे विश्वविद्यालय स्तर पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।बीबीएयू की यह पहल केवल लखनऊ या उत्तर भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर भी विद्यार्थियों को आकर्षित कर रही है।

उत्तर प्रदेश में बायोफ्लॉक पद्धति से मत्स्य पालन के जरिए महिलाओं को स्वरोजगार एवं आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं के स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से बायोफ्लॉक पद्धति द्वारा मत्स्य पालन की पहल की गई है। यह योजना उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन और उनकी दूरदर्शी सोच के अनुरूप बनाई गई है, जिससे प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं को नई रोजगार संभावनाएं उपलब्ध हो सकें।मिशन की प्राप्त जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह बायोफ्लॉक मत्स्य पालन परियोजना प्रदेश के 10 जनपदों में सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, मत्स्य पालन विभाग एवं छजनतमहमदपग संस्था के मध्य त्रिपक्षीय अनुबंधन किया गया है।परियोजना के अंतर्गत बायोफ्लॉक तकनीक से सिंघी मछली का पालन किया जा रहा है, जो कम जल उपयोग में अधिक उत्पादन देने में सक्षम है। इस तकनीक से न केवल जल संरक्षण होगा, बल्कि मत्स्य उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ किसानों और समूह की महिलाओं को आर्थिक लाभ भी मिलेगा।राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अनुसार, इस परियोजना में अब तक 10 जनपदों में कुल 2158 महिलाएं सम्मिलित होकर 155 उत्पादक समूहों का गठन कर चुकी हैं। यह महिला समूह मत्स्य पालन के माध्यम से अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने और आर्थिक रूप से सशक्त बनने की दिशा में अग्रसर हैं।यह पहल प्रदेश में ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने और महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ऑनलाइन लॉटस गेमिंग ऐप के जरिए करोड़ों की साइबर ठगी का खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की पूर्वी जोन क्राइम टीम और थाना गुडम्बा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में ऑनलाइन बेटिंग के नाम पर करोड़ों की साइबर ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने एक फ्लैट से इस गिरोह के 16 शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी बैंक खातों, लॉटस गेमिंग साइट, और रेंट पर लिए गए खातों के माध्यम से देशभर के लोगों से ठगी कर रहे थे।

पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना गुडम्बा क्षेत्र के स्मृति अपार्टमेंट स्थित एक फ्लैट में कई युवक संदिग्ध रूप से रह रहे हैं। जब पुलिस टीम फ्लैट नंबर 403 पर पहुंची, तो वहां 16 युवक मिले, जिनके पास से भारी मात्रा में ठगी में प्रयुक्त सामान बरामद हुआ। तलाशी के दौरान पुलिस को ₹1.07 करोड़ नकद, 79 एटीएम कार्ड, 22 पासबुक, 13 चेकबुक, 30 मोबाइल फोन, 2 टैबलेट, 13 आधार कार्ड, फर्जी दस्तावेज, 3 लैपटॉप, 2 नोट गिनने की मशीनें और पुराने नोट बरामद हुए।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लॉटस गेमिंग साइट के माध्यम से ऑनलाइन अवैध बेटिंग प्लेटफॉर्म चलाते थे। गेम खेलने के लिए खिलाड़ियों से जो पैसे जमा होते थे, उन्हें वे फर्जी या किराए के खातों में जमा करवाते थे और फिर उसे कैश निकालकर मुख्य संचालकों तक पहुंचाते थे। गिरोह के सदस्यों ने देश के कई राज्यों में रहने वाले लोगों को पैसे का लालच देकर उनके नाम पर खाते खुलवाए, और उनसे पासबुक, एटीएम व सिम कार्ड लेकर उनका दुरुपयोग किया।गिरफ्तार आरोपियों में अधिकांश छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से हैं, जबकि कुछ गुजरात के मैसाना और गांधीनगर के निवासी हैं। पुलिस द्वारा इनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ थाना गुडम्बा में साइबर ठगी और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम को पुलिस आयुक्त लखनऊ द्वारा ₹1 लाख का पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई है। लखनऊ पुलिस की यह कार्रवाई साइबर अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता के रूप में देखी जा रही है, जिसने देशभर में फैले ऑनलाइन ठगी गिरोहों पर कड़ा संदेश दिया है।

राज्य सड़क निधि योजना के तहत बलिया, आजमगढ़ और मऊ के 10 मार्गों को मिली 1.35 करोड़ की आर्थिक मदद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य सड़क निधि योजना के तहत प्रदेश के विभिन्न मंडलों के जनपदों में संचालित कुल 10 सड़क निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों को गति देने के लिए 1 करोड़ 35 लाख 70 हजार रुपये की अवशेष धनराशि अवमुक्त कर दी है। इस राशि से जनपद बलिया के 6, आजमगढ़ के 3 और मऊ के 1 कार्यों को पूरा करने में सहायता मिलेगी।लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार यह धनराशि स्वीकृत एवं चालू कार्यों के लिए प्रदान की गई है और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि इस राशि का उपयोग हर हाल में 31 मार्च 2026 तक कर लिया जाए। साथ ही, सभी कार्यों की उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को 30 अप्रैल 2026 तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध करानी होगी। शासनादेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि इन कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का सक्षम स्तर पर निरीक्षण और सत्यापन किया जाए।

पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत 690 टन वेस्ट प्लास्टिक से बनीं ग्रामीण सड़कें

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व और निर्देशन में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत ग्रामीण सड़कों के नवीनीकरण कार्यों में सिंगल यूज्ड वेस्ट प्लास्टिक का प्रयोग कर सड़कों को न सिर्फ अधिक टिकाऊ और सुगम बनाया जा रहा है, बल्कि इस पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।राज्य ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के अनुसार, प्रदेश के 35 जनपदों में कुल 171 मार्गों पर नवीनीकरण कार्य प्रगति पर है, जिनकी कुल लंबाई 1121.383 किलोमीटर है। इनमें से 605.79 किलोमीटर मार्गों का कार्य पूरा कर लिया गया है, जिनमें करीब 690 टन वेस्ट प्लास्टिक का इस्तेमाल किया गया है। यह कार्य ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने के लिए चार नवीनतम तकनीकों के उपयोग से किया जा रहा है।

इन तकनीकों में वेस्ट प्लास्टिक के साथ बिटुमिनस कॉन्क्रीट, 30 एमएम मोटाई में सीजीबीएम तकनीक, एमएसएस तकनीक और कोल्ड मिक्स के साथ बिटुमिनस कॉन्क्रीट का समावेश है। ये सभी तकनीकें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित पोस्ट-डीएलपी (Defect Liability Period) मार्गों के रखरखाव और नवीनीकरण में प्रयोग की जा रही हैं। इसके लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार से राज्य को प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई है।उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के सीईओ अखंड प्रताप सिंह ने जानकारी दी कि कुल 306 मार्गों (लंबाई 1911.30 किमी) पर इन तकनीकों से कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में न केवल सड़कों की गुणवत्ता और जीवनकाल बढ़ रहा है।

क्या धनखड़ परेशानी पैदा कर रहे थे

पार्टी के कई लोग इन सवालों के साथ ताल ठोंक रहे थे। उधर संघ नड्डा जी के इस बयान से खार खाए हुए था कि अब भाजपा को चुनाव जीतने के लिए संघ के समर्थन की जरूरत नहीं है। हमने देखा है कि इस बयान के बावजूद लोकसभा चुनाव के बाद हुए महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली चुनाव में संघ के कार्यकर्ता किस तरह भाजपा की जीत के लिए जुटे हुए थे। उप राष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ की विदाई जितनी अचानक और निजी दिखाई देती है वह उतनी लगती नहीं। जी हां, यह बीमारी और निजी कारण से हुआ इस्तीफा नहीं लगता, यह दबाव में लिया गया इस्तीफा लगता है। और उनके इस बड़े पद से हटने की अनुगूंज अभी केंद्र, एनडीए और भाजपा की राजनीति में देर तक सुनाई देगी। तत्काल तो यही दिखा रहा है कि भाजपा की तरफ से कुछ नहीं कहा गया लेकिन विपक्ष उस धनखड़ साहब को अपने इस्तीफे पर पुनर्विचार के लिए कह रहा है जिनसे उसका रिश्ता छत्तीस का ही रहा है। अब विपक्ष उनकी तारीफ के कसीदे भी काढ़ रहा है। सत्ता पक्ष का हाल तो यह है कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पहले तो उपराष्ट्रपति, जो राज्यसभा के सभापति भी होते हैं, के मुंह पर उनके लिए अपमानजनक टिप्पणी करते रहे और शाम को हुई सर्वदलीय बैठक में निजी काम के बहाने आए भी नहीं। आज सरकार तथा भाजपा जिस तरह चल रही है उसमें नड्डा जी भले ही कामचलाऊ अध्यक्ष हैं लेकिन वे पर्याप्त ताकतवर हैं क्योंकि असली सत्ता वालों का विश्वास उनको हासिल है। यह अलग बात है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अभी भी मुगालता है कि असली सत्ता उसके हाथ में है और नड्डा ने अगर लोक सभा चुनाव के समय उनका अपमान किया था तो वह उनकी विदाई करा देगा।

इस्तीफे वाले दिन अर्थात 21 जुलाई को तीसरे पहर तक उपराष्ट्रपति का काम और व्यवहार यही दिखाता है कि सब कुछ सामान्य था। उनके दफ्तर से उनके जयपुर के कार्यक्रम की विज्ञप्ति भी जारी हुई जो एक दिन बाद होनी थी। उनका स्वास्थ्य खराब था और उनको किमाऊ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में चक्कर आए थे। लेकिन यह मार्च की बात थी। अभी हफ्ता भर पहले वे जेनयू के कार्यक्रम में तारीख बताकर यह कह रहे थे कि वे 10 अगस्त 2027 को पद से मुक्त होंगे-बीच में ईश्वरीय दखल न हो तब। जिस तरह के वे नेता थे उसमें उनके बयान और काम कई बार सरकार के लिए परेशानी का कारण भी बनाते रहे थे। न्यायपालिका को लेकर की गई उनकी टिप्पणियों और संवैधानिक पद पर रहते हुए संविधान के सेकुलर और सोशलिष्ट शब्द पर उनकी टिप्पणी किसी को भी अखर सकती थी। पश्चिम बंगाल का राज्यपाल रहते हुए भी उनके कई काम और कमेन्ट इसी श्रेणी के थे। हर कोई मानता था कि संघ की पृष्टभूमि न होने के चलते वे सत्ता के गलियारे में ऊंचा आसान पाने के लिए यह सब करते है। जब तक उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान चुनाव में भाजपा को जाट वोटों की जरूरत थी, उनका प्रोमोशन भी होता गया और उनके ऐसे बयानों-कामों को बर्दाश्त ही नहीं किया गया, उनका गुण माना गया। इसलिए उनके इस्तीफा में नैतिकता का अंश ढूंढना तो बेवकूफी होगी। चुनावी जरूरत खत्म या काम होने के बाद अपनी सत्ता और महत्व को बढ़ाने की उनकी कोशिशें सरकार के कर्ता-धर्ता लोगों को भी चुभती होंगी। जेपी नड्डा का सदन में दिया बयान उसकी झलक पेश करता है। यह बयान धनखड़ जी के सिर्फ पहले के बयानों के आधार पर नहीं आया होगा। 21 जुलाई को जब लोकसभा में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग का नोटिस सभी दलों के सांसदों ने दिया क्योंकि सरकार इसे सर्वसम्मत मामला बनाना चाहती है। राज्य सभा में सभापति ने सिर्फ विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। इससे पहले वही सभापति थे जब इलाहाबाद के जस्टिस यादव द्वारा विश्व हिन्दू परिषद के आयोजन में दिए विवादास्पद बयान पर विपक्षी प्रस्ताव उन्होंने नहीं माना था जबकि उस पर जरूरी संख्या से ज्यादा सदस्यों के दस्तखत थे। मामला इन दोनों की तुलना का नहीं है। जस्टिस वर्मा वाले मामले में अब जो संसदीय समिति बनेगी उसमें राज्य सभा वाले तीन सदस्यों का चुनाव सभापति के विवेक से होगा। अब अगर सभापति ने मोशन को स्वीकार करने में सरकार से अलग लाइन ली तो चुनाव में सरकार की मानेंगे इसमें नड्डा जी समेत सबको शक होगा। और इस व्यवहार में ही अचानक विपक्षी दलों द्वारा धनखड़ की तारीफ का रहस्य छुपा लगता है।

अब इस मामले को यहीं छोड़ें क्योंकि बात सिर्फ इतनी नहीं हो सकती। कुछ और भी संकेत मिले होंगे और धनखड़ साहब को भी अपने मान-सम्मान के प्रतिकूल कुछ और बातें लगी होंगी। उनकी विदाई के बाद सरकार, एनडीए और भाजपा का संकट जरूर कुछ बढ़ गया है। अभी तक उसे सिर्फ अध्यक्ष चुनने में परेशानी हो रही थी क्योंकि आरएसएस अपनी चलाने पर अड़ा हुआ है। वह नड्डा को निपटाने के साथ योगीजी के साथ हुए 'अन्याय' का इलाज भी चाहता है। लोक सभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के ज्यादातर टिकट योगी की मर्जी से उलट दिए गए थे। हम देख चुके हैं कि भाजपा के मौजूदा नेतृत्व के लिए यह काम कितना मुश्किल हो गया है। और आग में घी डालते हुए खुद मोहन भागवत पचहत्तर की उम्र सीमा पर वानप्रस्थ या वैराग्य की बहस छेड़कर प्रधानमंत्री पर भी निशाना साधे हुए हैं। अब एक नया उपराष्ट्रपति चुनने का सिरदर्द इस सारी परेशानी को कई गुना करेगा।

बड़ी जीत है द रेजिस्टेंट फ्रंट का आतंकी संगठन घोषित होना

टीआरएफ दिखने में एक स्थानीय कश्मीरी संगठन होने का भ्रम देता है, लेकिन असल में यह लश्कर-ए-तैयबा और उसके सरगना हाफिज सईद की पुरानी साजिश का नया चेहरा है।

ललित गर्ग

पहलगाम में जब आतंकी हमले में निर्दोषों का रक्त बहा, आहें एवं चीखें गूंजी, जिसने न केवल देश एवं दुनिया को झकझोर दिया था, बल्कि यह संकेत भी दे दिया कि आतंकवाद की जड़ें अब भी जीवित हैं और उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और सीमा-पार समर्थन प्राप्त है। लेकिन इस बार एक बड़ा परिवर्तनकारी एवं प्रासंगिक कदम अमेरिका की ओर से सामने आया है, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की मुखौटा इकाई द रेजिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया, इस तरह टीआरएफ की पहचान और आतंक के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का नया अध्याय लिखा गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि आतंक के विरुद्ध वैश्विक मंच पर एक रणनीतिक संदेश है कि अब छद्म युद्ध और पनपते आतंक के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही का युग आ गया है। अमेरिका का यह कदम भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं विदेश मंत्री एस जयशंकर के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास इस बात के द्योतक है कि आतंकवाद से निपटने के मोर्चे पर भारत सफल हो रहा है। अमेरिका के इस फैसले ने न सिर्फ टीआरएफ के आतंकी चेहरे से बेपर्दा किया है, बल्कि पाकिस्तान की उन नापाक हरकतों को भी बेनकाब कर दिया, जिन्हें वह खुद को आतंकवाद से पीड़ति बताकर छिपाता आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे भारत-अमेरिका के बीच मजबूत आतंकवाद-रोधी सहयोग का प्रमाण बताया है और आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया है।

टीआरएफ दिखने में एक स्थानीय कश्मीरी संगठन होने का भ्रम देता है, लेकिन असल में यह लश्कर-ए-तैयबा और उसके सरगना हाफिज सईद की पुरानी साजिश का नया चेहरा है। पाकिस्तान-समर्थित आतंकी संगठनों को नया नाम एवं नये रूप में प्रस्तुत करना पाक की एक साजिश एवं सोची-समझी रणनीति है, ताकि दुनिया के सामने वह अपने दामन को पाक-साफ दिखा सके। एक और विडम्बनापूर्ण स्थिति यह है कि पाक ने इसे इस तरह पेश किया जैसे यह कश्मीर का स्थानीय संगठन हो। यह जगजाहिर है कि कई बड़े आतंकी संगठन पाकिस्तान की धरती से संचालित किए जा रहे हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिद्दीन प्रमुख हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई बार ये सवाल उठे और पाक को आतंक पोषित स्वीकार्य किया जाने लगा। उसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान ने रणनीति बदली और आतंकी संगठनों के नाम भी बदलने शुरू कर दिए। टीआरएफ इसका एक उदाहरण है। इसका गठन 2019 के अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद हुआ और इसका उद्देश्य भारत में आतंकी घटनाओं को 'स्वदेशी विद्रोह' की आड़ में अंजाम देना है। पहलगाम हमला भारत के उस प्रयास को चुनौती देता है जो वह 'पर्यटन और विकास के माध्यम से कश्मीर को मुख्यधारा में लाने' के लिए कर रहा है। जब भी कश्मीर में शांति की बहार आती है, ऐसे आतंकी संगठन हिंसा का तूफ़ान लेकर आते हैं। टीआरएफ ने सोशल मीडिया, इंटरनेट और कूटनीतिक शब्दजाल का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को 'कश्मीरी प्रतिरोध आंदोलन' के रूप में पेश करने की कोशिश की, जबकि उसके तार रावलपिंडी और आईएसआई के आतंकवाद समर्थन तंत्र से सीधे जुड़े हैं। मगर, अमेरिका की ओर से इसे वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना इस बात का सबूत है कि आतंकियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के इरादों को किसी छद्म नाम की आड़ में छिपाया नहीं जा सकता।

अमेरिका द्वारा टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी राजनयिक एवं कूटनीतिक सफलता है। यह दिखाता है कि भारत की तीक्ष्ण एवं ताकतवर विदेश नीति अब केवल घटनाओं की निंदा तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव निर्माण की रणनीति पर आधारित है। जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्तावों को भी बल देती है। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध वर्षों से चेतावनी देते हुए दुनिया को आतंकमुक्त बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों को आतंक के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास तेज किये हैं। ऐसे में अमेरिका पर भी यह साबित करने का दबाव बना है कि वह आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड न अपनाये। क्योंकि अमेरिका का दोगलापन चर्चा में रहा है, एक तरफ अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने का दावा करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और विश्व बैंक से बड़ी धनराशि कर्ज के रूप में दी जाती है। एक तरफ राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने की बात करते हैं, दूसरी तरफ आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान को लेकर अपने नरम रुख का इजहार भी करते रहते हैं। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का ढुलमुल रवैया भी हैरान करने वाला है। सवाल यह है कि जब अमेरिका यह मानता है कि पाकिस्तान आतंकियों को पाल-पोस रहा है, तो वह वैश्विक संस्थाओं से उसे वित्तीय मदद रोकने की वकालत क्यों नहीं करता है?

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को करारी मात देने के बाद भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में वातावरण बनाने के लिये तत्पर हुआ। आतंक के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती देने के लिये ही भारत ने अमरीका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे। इन देशों को पुख्ता सबूतों के साथ बताया गया कि टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। संभवतः भारत के यही प्रयास इस संगठन के खिलाफ अमरीका के सख्त फैसले का आधार बनी। अमरीका ने इससे पहले 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को आतंकी संगठन घोषित किया था। पाकिस्तान इन दोनों संगठनों की तरह टीआरएफ को भी भारत के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है। निश्चित ही अमेरिका की यह ताजा कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन भारत को अब केवल प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कमर कसते हुए प्रक्रिया दिखानी चाहिए। उसे सीमा पार सर्जिकल/ड्रोन स्ट्राइक की नीति को और मजबूत करना चाहिए। आतंकी समर्थकों की फंडिंग रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों की मांग करनी चाहिए। घरेलू स्तर पर खुफिया तंत्र और साइबर निगरानी को और सक्रिय एवं आधुनिक बनाना चाहिए। वैश्विक मंचों पर एफएटीएफ, यूएन, और जी 20 जैसे संगठनों में पाकिस्तान की आतंक-समर्थक भूमिका को बार-बार उजागर करना चाहिए। आज आवश्यकता है कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक और शांति-प्रिय राष्ट्र एक मंच पर एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टोलरेंस पॉलिसी अपनाएं। किसी भी राष्ट्र को- चाहे वह प्रत्यक्ष हो या परोक्ष, आतंकियों की शरणस्थली बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। टीआरएफ को आतंकवादी घोषित करना पहला कदम है, अब इसकी जड़ों को नष्ट करना ही अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंक के नापाक गठजोड़ पर जब तक सभी देश एकमत नहीं होंगे, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचेगी।

अजब-गजब

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी ने उड़ाई नींद ; 2025 में धरती पर उतरेंगे एलियन, समय भी बताया !

'बाल्कन की नास्त्रेदमस' नाम से प्रसिद्ध बुल्गारियाई भविष्यवक्ता बाबा वेंगा ने 2025 के लिए एक चौंकाने वाली भविष्यवाणी की है। उनके अनुसार, इसी साल इंसान एलियंस के संपर्क में आएंगे, और ऐसा कब होगा, इसका समय भी बता दिया है!

1911 में जन्मीं नेत्रहीन बाबा वेंगा का असली नाम वांगेलिया पांडेवा गुश्तेरोवा (Vangeliya Pandeva Gushterova) था। 11 अगस्त 1996 में अपनी मृत्यु से पहले बाबा वेंगा ने 5079 तक के लिए भविष्यवाणियां की थीं, जिनमें सोवियत संघ के टूटने और 9/11 हमले जैसी घटनाएं शामिल हैं, जो सच साबित हुई हैं। अब साल 2025 को लेकर किए उनके एक दावे ने पूरी दुनिया में खलबली मचा दी है।

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी के अनुसार, 2025 में एक बड़े खेल आयोजन के दौरान इंसान और एलियंस आमने-सामने होंगे। इस साल महिला यूरो फाइनल, महिला रग्बी वर्ल्ड कप और फॉर्मूला 1 रेस जैसे कई बड़े खेल आयोजन होने वाले हैं। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर यह अलौकिक मुलाकात कब और किस तरह होगी।

दिलचस्प बात यह है कि ब्राजील के 'लिविंग नास्त्रेदमस' (Living Nostradamus) के नाम से मशहूर भविष्यवक्ता एथोस सैलोमे (Athos Salome) ने भी इसी तरह के दावे किए हैं। सैलोमे का मानना है कि जेम्स वेब टेलीस्कोप की मदद से दुनिया एलियंस की खोज के बेहद करीब है। ये भी देखें:Viral Video: जयमाला में दूल्हे को झुकाकर ही मानी दुल्हन! लड़की के भाइयों ने चली गजब की चाल

सैलोमे का यह भी कहना है कि यह टेलीस्कोप मानवता को दूसरे ग्रह के जीवन के अस्तित्व का जवाब देगा। लिविंग नास्त्रेदमस ने यह भी भविष्यवाणी की है कि अमेरिकी सरकार जल्द ही यूएफओ (UFO) फाइलों को सार्वजनिक कर सकती है।

ब्लॉग

मैक 8 की रफ्तार, 1500 KM तक मार, भारत की सबसे घातक हाइपरसोनिक मिसाइल तैयार

नीरज कुमार दुबे

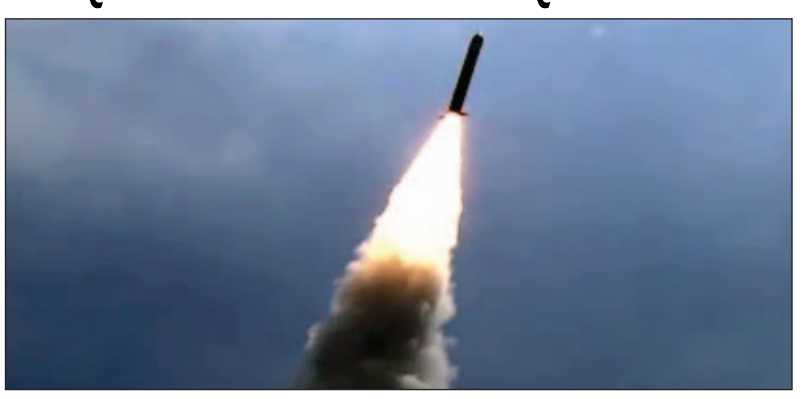

भारत ने हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण कर अमेरिका, रूस और चीन जैसी वैश्विक शक्तियों वाले हाइपरसोनिक क्लब में प्रवेश हासिल कर लिया है। हम आपको बता दें कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के माध्यम से मिसाइल तकनीक के क्षेत्र में भारत ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। DRDO ने 'एक्सटेंडेड ट्राजेक्टरी लॉन्ग ड्यूरेशन हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल (ET-LDHCM)' नामक देश की सबसे उन्नत मिसाइल प्रणाली विकसित की है। यह न केवल भारत की वर्तमान मिसाइल प्रणाली जैसे ब्रह्मोस, अग्नि-5 और आकाश को पीछे छोड़ती है, बल्कि आधुनिक युद्ध की परिभाषा ही बदल सकती है।

हम आपको बता दें कि ET-LDHCM को DRDO के गोपनीय प्रोजेक्ट 'विष्णु' के तहत विकसित किया गया है। यह मिसाइल Mach 8 (आवाज की गति से आठ गुना अधिक) की रफ्तार से उड़ सकती है और 1,500 किलोमीटर तक सटीक वार करने में सक्षम है। यह ब्रह्मोस के मुकाबले तीन गुना अधिक दूरी और तीन गुना अधिक रफ्तार वाली प्रणाली है। इसकी मुख्य विशेषताओं की बात करें तो आपको बता दें कि पारंपरिक इंजनों के विपरीत यह इंजन वायुमंडलीय ऑक्सीजन का उपयोग करता है, जिससे यह लंबी दूरी तक लगातार हाइपरसोनिक गति बनाए रख सकता है। यह 1,000 से 2,000 किलोग्राम तक के पारंपरिक या परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। साथ ही यह रडार से बचने और दुश्मन की रक्षा प्रणाली को भेदने में सहायक है। इसे भूमि, समुद्र और वायु तीनों स्थानों से दागा जा सकता है। इसके टारगेट्स की बात करें तो आपको बता दें कि दुश्मन के कमांड सेंटर, रडार सिस्टम, नौसेना के बेड़े और भूमिगत बंकर को यह आसानी से निशाना बना सकता है। हम आपको बता दें कि eurasiantimes.com की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ET-LDHCM नामक जो मिसाइल बना रहा है उसकी सबसे खास बात उसका इंजन है जिसे स्क्रैमजेट कहते हैं। यह मिसाइल करीब 8 मैक यानी लगभग 11,000 किलोमीटर की रफ्तार से दुश्मन पर कहर बनकर टूटती है।

क्या होता है हाइपरसोनिक हथियार यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियार वे होते हैं जो Mach 5 (आवाज की गति से पांच गुना अधिक) से तेज गति से उड़ सकते हैं। ये पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइलों से अलग होते हैं क्योंकि ये अपनी उड़ान के दौरान दिशा बदल सकते हैं, जिससे इन्हें पकड़ना और रोकना अत्यंत कठिन होता है। इसके मुख्य रूप से दो प्रकार होते हैं- हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल (HGV) और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल (HCM), ET-LDHCM इसी श्रेणी में आता है।

हम आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियारों को आधुनिक युद्ध का 'गेम चेंजर' कहा जाता है। अमेरिका, रूस और चीन इस तकनीक में अग्रणी हैं। रूस ने 2022 में यूक्रेन युद्ध में 'किंझाल' मिसाइल का उपयोग कर इस क्षमता का प्रदर्शन किया था। अमेरिका लॉकहीड मार्टिन के जरिए इस दिशा में कार्य कर रहा है। फ्रांस, जर्मनी, जापान, इजराइल और ऑस्ट्रेलिया भी इस दौड़ में शामिल हैं। यह बात भी काबिलेगौर है कि भारत का यह परीक्षण ऐसे समय हुआ है जब दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव अपने चरम पर है। हम आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियारों के विकास में सबसे बड़ी चुनौती अत्यधिक गति के कारण उत्पन्न 2000 डिग्री सेल्सियस तक की गर्मी को सहने की होती है। इसके लिए DRDO ने हीट रेसिस्टेंट मटेरियल और कार्बन कॉम्पोजिट्स का प्रयोग किया है। दूसरी चुनौती रियल टाइम नेविगेशन और संचार की है, जिसे भारत ने स्वदेशी तकनीक से हल किया है।

Project Vishnu की जहां तक बात है तो आपको बता दें कि इसके तहत DRDO 12 अलग-अलग हाइपरसोनिक सिस्टम विकसित कर रहा है, जिनमें आक्रमणकारी मिसाइल और इंटरसेप्टर दोनों शामिल हैं। नवंबर 2024 में इस प्रोजेक्ट के तहत स्क्रैमजेट इंजन का पहला सफल परीक्षण हुआ था। ET-LDHCM इस प्रोजेक्ट की पहली बड़ी सफलता है। महत्वपूर्ण बात यह कि इस मिसाइल का पूरा निर्माण भारत में हुआ है और वह भी MSME और निजी रक्षा कंपनियों के सहयोग से। इससे न केवल आत्मनिर्भर भारत अभियान को बल मिलेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार और नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा।

रक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि ET-LDHCM दक्षिण एशिया में सामरिक संतुलन बदलने में सक्षम है। यह चीन के इंडो-पैसिफिक प्रभुत्व और पाकिस्तान के विरुद्ध भारत की क्षमता को और मजबूत करेगा। यह मिसाइल रूस के S-500 या इजराइल के Iron Dome जैसी अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों को भी चुनौती दे सकती है। देखा जाये तो इस सफल परीक्षण ने भारत को अमेरिका, रूस और चीन जैसे हाइपरसोनिक मिसाइल क्षमता वाले देशों की कतार में खड़ा कर दिया है। यह केवल एक मिसाइल नहीं बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रभाव का प्रतीक है। भविष्य में इस तकनीक के आधार पर भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भी बड़ी शक्ति बन सकता है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत के मिसाइल कार्यक्रम की शुरुआत का जब भी जिक्र होता है, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का नाम सबसे पहले स्मृति में आ जाता है। 'मिसाइल मैन ऑफ इंडिया' के रूप में प्रसिद्ध डॉ. कलाम ने भारत को मिसाइल तकनीक में आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा था, जिसमें बैलिस्टिक, क्रूज और भविष्य में हाइपरसोनिक तकनीक भी शामिल थी। आज जब भारत ने हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली में बड़ी उपलब्धि हासिल की है, तो यह केवल एक सैन्य सफलता नहीं, बल्कि अब्दुल कलाम के उसी सपने का विस्तार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस क्षेत्र को राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक सामरिक संतुलन के लिहाज से सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

हम आपको बता दें कि डॉ. कलाम का सपना था कि भारत अपने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने और तकनीक आधारित प्रतिरोधक क्षमता हमारे देश की नीति का अभिन्न हिस्सा हो। उन्होंने अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों के ज़रिए भारत को सामरिक क्षमता दी, लेकिन उनके विजन में अगला कदम था— हाइपरसोनिक स्पीड, सटीकता और आधुनिक युद्धक्षमता वाली मिसाइलें। कलाम मानते थे कि अगली सदी के युद्ध सिर्फ हथियारों की संख्या से नहीं, रफ्तार, तकनीक और चुपकेपन से तय होंगे। इसलिए उन्होंने स्क्रैमजेट इंजन, हाइपरसोनिक फ्लाइट और उन्नत रडार-प्रूफ सिस्टम के अनुसंधान पर बल दिया था। वह कहते थे कि - 'Speed is power in future warfare, and India must never lag behind.' हम आपको बता दें कि DRDO में रहते हुए डॉ. कलाम ने इस दिशा में हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी डेमोंस्ट्रेटर व्हीकल (HSTDV) जैसे शुरुआती प्रयासों की नींव रखी थी।

प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता में क्यों है हाइपरसोनिक मिसाइल? यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि आज भारत की सीमाएं सिर्फ पारंपरिक युद्ध के खतरे से नहीं, बल्कि चीन की आक्रामक नीति, पाकिस्तान के परमाणु ब्लैकमेल और इंडो-पैसिफिक में अमेरिका-चीन संघर्ष के बीच सामरिक दबाव में हैं। हाइपरसोनिक मिसाइलें भारत को 'सिक्योर स्ट्राइक' और 'रैपिड रिटैलिएशन' की क्षमता देती हैं— चाहे पाकिस्तान हो या दक्षिण चीन सागर। इसके अलावा, भारत की न्यूनतम प्रतिरोधक नीति के तहत हाइपरसोनिक मिसाइलें उसकी सेकंड स्ट्राइक क्षमता को अजेय बनाती हैं। चीन के DF-17, रूस के Avangard और अमेरिका के LRHW के मुकाबले भारत का ET-LDHCM या HSTDV उसकी सामरिक विश्वसनीयता को बढ़ाते हैं। साथ ही मोदी सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि भारत रक्षा तकनीक में केवल उपभोक्ता न रहे, बल्कि वैश्विक रक्षा निर्यातक और इनोवेशन लीडर बने। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' विजन में रक्षा उत्पादन अहम स्तंभ है। Project Vishnu, ET-LDHCM जैसी परियोजनाएँ भारत में न केवल तकनीक लाती हैं बल्कि MSME, निजी कंपनियों और DRDO के सहयोग से स्थानीय उद्योग और रोजगार को भी बढ़ावा देती हैं। इसके अलावा, भारत अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया के साथ QUAD में है और चीन से प्रतिस्पर्धा में। हाइपरसोनिक तकनीक भारत को इस क्षेत्र में रणनीतिक ताकत का स्तंभ बनाती है, जिससे भारत का कूटनीतिक प्रभाव भी बढ़ेगा। हम आपको यह भी बता दें कि चीन के बढ़ते सैन्य उन्नयन और आक्रामक तेवर तथा रूस-अमेरिका के बीच हथियारों की होड़ से सीख लेते हुए नई राष्ट्रीय रक्षा नीति में 'प्री-एम्प्टिव टेक्नोलॉजी' की वकालत करते हुए रक्षा निर्यात को 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, स्पेस, एंटी-सैटेलाइट और हाइपरसोनिक को साथ-साथ विकसित करने की रणनीति भी बनाई गयी है। बहरहाल, भारत रत्न डॉ. अब्दुल कलाम ने जिस भविष्य की कल्पना की थी, मोदी सरकार उसे नीति, संसाधन और रणनीति के स्तर पर जमीन पर उतार रही है। हाइपरसोनिक मिसाइल भारत के लिए सिर्फ एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा, प्रतिष्ठा और भविष्य के लिए अनिवार्य अस्त्र बन चुकी है। DRDO, ISRO और निजी रक्षा उद्योग के सहयोग से भारत अब उस राह पर है, जहाँ आने वाले दशक में भारत अपनी तकनीक के दम पर न केवल सुरक्षित रहेगा, बल्कि विश्व मंच पर मजबूती से खड़ा भी रहेगा।

मस्जिद में सपा की बैठक: 'उनका हथियार ही धर्म', अखिलेश के इस बयान पर डिप्टी सीएम बोले- वे समाजवादी नहीं, नमाजवादी

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव के दिल्ली में संसद भवन के पास स्थित मस्जिद में कथित तौर पर बैठक करने पर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही कहा कि अखिलेश ने मस्जिद को सपा का दफ्तर बना दिया, जिसपर अब समाजवादी पार्टी के मुखिया ने जवाब दिया है। अखिलेश यादव के जवाब पर यूपी की डिप्टी सीएम ने पलटवार किया है। दिल्ली में संसद मार्ग स्थित एक मस्जिद के अंदर कथित तौर पर हुई बैठक पर अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि आस्था जोड़ती है और जो आस्था जोड़ने का काम करती है हम उसके साथ हैं। भाजपा को यही तकलीफ है कि कोई जुड़े नहीं। भाजपा लोगों में दूरियां देखना चाहती है। भाजपा चाहती है कि लोग

एकजुट न होकर बंटे रहें। हमारी सभी धर्मों में आस्था है। भाजपा को तकलीफ है तो हम क्या करें। भाजपा को आप सब जानते हैं, भाजपा का हथियार ही धर्म है। वहीं, अखिलेश यादव द्वारा कथित तौर पर मस्जिद के अंदर बैठक करने पर समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने कहा कि 'क्या अब हमें मंदिर और मस्जिद जाने के लिए भाजपा से लाइसेंस लेना होगा?...'

आपको बता दें कि बीते दिन सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव संसद भवन के पास वाली मस्जिद में सपा सांसदों के साथ बैठे थे, जैसे ही उनकी फोटो सामने आई, इस पर भाजपा ने मुद्दा बनाना शुरू कर दिया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने तस्वीर शेयर करते हुए आरोप लगाया कि अखिलेश ने इस मस्जिद को समाजवादी पार्टी कार्यालय बना दिया है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने कड़ी आपत्ति जाहिर की।

वो हमेशा नमाजवादी बने रहते हैं: पाठक

सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा कथित तौर पर एक बैठक के लिए मस्जिद का इस्तेमाल करने पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख और समाजवादी पार्टी हमेशा संविधान का उल्लंघन करते हैं। भारतीय संविधान कहता है कि हम राजनीतिक उद्देश्यों के लिए धार्मिक स्थलों का उपयोग नहीं कर सकते। उन्हें संविधान में विश्वास नहीं है। पाठक ने अखिलेश यादव को 'समाजवादी' न कहकर 'नमाजवादी' कहा। पाठक ने कहा कि वो हमेशा नमाजवादी बने रहते हैं। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि अखिलेश यादव की सत्ता में वापसी की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सपा सत्ता में आती है, तो राज्य में दंगे और हत्याएं बढ़ जाएंगी।

मूकबधिर बच्चों की स्कूल चलो रैली ने दिया संदेश

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। शब्दों से परे, जज्बातों की एक खास भाषा होती है। कुछ ऐसा ही नज़ारा बुधवार को शहर में देखने को मिला जब आदर्श मूकबधिर विद्यालय के बच्चों ने 'स्कूल चलो अभियान' के तहत एक जागरूकता रैली निकाली। रैली की शुरुआत डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर की और बच्चों के साथ कुछ कदम पैदल चलकर उनका हौसला भी बढ़ाया।

डीएम ने बच्चों से आत्मीयता के साथ मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इन विशेष बच्चों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी जीत है। शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है, और इन बच्चों की संकल्पशक्ति पूरे समाज को प्रेरित करती है। इस दौरान डीएम ने बच्चों को न सिर्फ स्नेहपूर्वक दुलार किया, बल्कि इशारों में संवाद कर उनका मनोबल भी बढ़ाया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई विद्यालय परिसर में विसर्जित हुई। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। मार्ग में लोगों ने तालियां बजाकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान मूकबधिर बच्चे हाथों में जागरूकता संदेश वाले पोस्टर लिए हुए थे, जिन पर लिखा था शिक्षा सबका अधिकार है, हम भी पढ़ेंगे, आगे बढ़ेंगे।इस दौरान विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार तोलानी, प्रधानाचार्य रामदुलारे वर्मा और विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

पुरा महादेव में चतुर्दशी पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, दस लाख भक्तों ने किया जलाभिषेक

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। बागपत के बालैनी स्थित पुरा के परशुरामेश्वर महादेव मंदिर पर बुधवार सुबह को झंडारोहण के बाद चतुर्दशी का जलाभिषेक करने को कांवड़ियों का सैलाब उमड़ पड़ा। वहां सुबह से भगवान आशुतोष का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ियों व श्रद्धालुओं की दो किमी लंबी लाइन लगी रही। मंदिर में बुधवार तक दस लाख से ज्यादा भक्तों ने जलाभिषेक किया।

पुरा महादेव मंदिर में चल रहे चार दिवसीय श्रावणी मेले में तीसरे दिन कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर में चतुर्दशी का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ियों व श्रद्धालुओं की लाइन परशुराम खेड़ा तक पहुंच गई और वहां लाइन में लगने के कई घंटे बाद में जलाभिषेक का नंबर आया। इसके बाद ही हरिद्वार से गंगाजल लेकर आए लाखों कांवड़ियों ने जलाभिषेक किया।

वहां भीड़ को देखते हुए व्यवस्था बनाने के लिए मंदिर में आरएएफ के साथ ही पीएसी के जवान तैनात रहे तो एसपी सूरज कुमार राय ख़ुद लगातार घूमते रहे। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित जयभगवान शर्मा ने बताया कि सुबह तक मंदिर में दस लाख कांवड़ियों व श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया।

न हुए फेरे, न आया दूल्हा... फिर भी हो गई शादी, झांसी में चर्चा बना 4 युवतियों का अनोखा विवाह

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी के मऊरानीपुर क्षेत्र में एक अनोखा विवाह समारोह देखने को मिला। यहां 4 ऐसी शादियां हुईं, जिसमें न फेरे हुए और न ही दूल्हे थे। लेकिन शादी संपन्न हुई। दरअसल, यहां 4 युवतियों ने भगवान शिव से शादी रचाई। यह आयोजन ब्रह्माकुमारी आश्रम की ओर से कुंज बिहारी पैलेस में संपन्न कराया गया, जो न सिर्फ चर्चा का विषय बना, बल्कि भक्ति भाव की अनोखी मिसाल भी बन गया।

इस समारोह में शादी करने वाली युवतियों में रेखा, वरदानी, कल्याणी और आरती शामिल हैं, जो पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर दुल्हन की तरह तैयार हुईं। इन सभी ने विधिवत वैदिक रीति-रिवाजों के मुताबिक शिवलिंग को वरमाला पहनाई और जीवन भर ब्रह्मचर्य पालन और

समाज सेवा का संकल्प लिया। उनका यह निर्णय आत्मिक शांति और ईश्वर-भक्ति की ओर बढ़ने का प्रतीक बना।

पारंपरिक विवाह की तरह आयोजन

इस शादी में कोई दूल्हा नहीं था, फिर भी पूरा आयोजन एक पारंपरिक विवाह की ही तरह हुआ। शिवलिंग को प्रतीकात्मक दूल्हा मानते हुए उनके ऊपर बाकायदा पगड़ी बांधी गई और बारात में भगवान शिव के वाहन नंदी की झांकी भी शामिल रही। ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के बीच आयोजन आध्यात्मिक उल्लास में बदल गया। समारोह के दौरान ब्रह्माकुमारी आश्रम के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह विवाह सांसारिक बंधनों से ऊपर उठकर आत्मा की शुद्धता और परमात्मा से एकात्मता की ओर पहला कदम है।

भगवान शिव को माना जीवनसाथी

उन्होंने कहा कि यह विवाह सांसारिक सुख-सुविधाओं को त्याग कर एक सेवा-प्रधान और संयमित जीवन की शुरुआत है। इस तरह बिना दूल्हे के भगवान शिव को अपना जीवन साथी मानते हुए चार युवतियों ने शादी रचाई और भक्ति, त्याग और आध्यात्मिक समर्पण का परिचय दिया। चारों युवतियां शिक्षित हैं और ग्रेजुएशन कर चुकी हैं। इस शादी समारोह में भारी संख्या में लोगों की भीड़ नजर आई। शिवलिंग को को दूल्हे की पगड़ी बांधी गई और भगवान शिव के वाहन नंदी की झांकी भी निकाली गई। चारों दुल्हनें इस झांकी में शामिल रहीं।

गाजियाबाद की आलीशान कोठी में अवैध दूतावास, फर्जी राजदूत पकड़ा ; कैश, लग्जरी गाड़ियां, विदेशी मुहरे बरामद

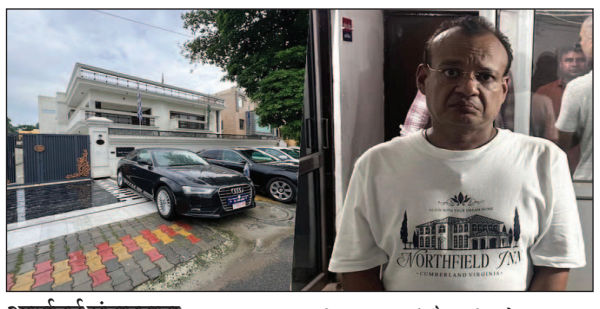

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) नोएडा की टीम ने कविनगर में चल रहे अवैध दूतावास का भंडाभोड़ किया है। टीम ने अवैध दूतावास का संचालन करने वाले आरोपी हर्षवर्धन निवासी कविनगर को गिरफ्तार किया है। हर्षवर्धन जैन खुद को वेस्ट आर्कटिका, साबोरगा, पॉल्विया और लॉडोनिया देशों को कौंसिल एंबेसेडर बताता था। आरोपी से विदेशी राजनयिकों के लिए प्रयोग होने वाली वाहनों की कई नंबर प्लेट भी बरामद हुई हैं। टीम के अनुसार, हर्षवर्धन जैन का पूर्व में चंद्रास्वामी और अदनान खगोशी से संपर्क उजागर हुआ है। आरोपी से माइक्रोनेशन देशों के 12 डिप्लोमेटिक पासपोर्ट, विदेश मंत्रालय की मोहर लगे दस्तावेज, दो फर्जी पैन कार्ड, 47.70 लाख रुपये आदि बरामद किए गए हैं। देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के साथ फोटो दिखाकर लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करता था। एसटीएफ ने आरोपी को कविनगर थाना पुलिस को सौंप दिया है।

कानपुर से उन्नाव, गंगा बैराज और चकेरी एयरपोर्ट तक जाएगी मेट्रो! तीसरे कॉरिडोर में मेट्रो के पांच नए रूट

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर मेट्रो का दूसरा चरण शुरू होने के बाद से शहर की मेट्रो हिट हो गई है। जब से मेट्रो कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन तक चलने लगी है तब से यात्रियों की संख्या प्रति दिन 33 हजार के आस-पास जा रही है। अब कनपुरियों के लिए एक नई खुशखबरी है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो कानपुर मेट्रो अब शहर के बाहर भी जाएगी। इसके लिए कानपुर मेट्रो के तीसरे कॉरिडोर को विजन 2051 में शामिल कर लिया गया है। इस पर मोहर लगते ही पांच नए रूट कानपुर मेट्रो में शामिल कर लिए जाएंगे। इसमें गंगा बैराज, एयरपोर्ट के साथ उन्नाव भी शामिल है। सीएम योगी की महत्वकांशी योजना है विजन 2051 के तहत उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने कानपुर मेट्रो के विस्तार के लिए तीसरे कॉरिडोर के पांच नए रूट को शामिल किया है। इस बार खास बात यह है कि यह रूट शहर के अलावा कानपुर

आउटर और उन्नाव तक मेट्रो की सुविधा देंगे। इन नए रूट के बाद मेट्रो की सुविधा शहर से निकल कर बाहर तक चली जाएगी। इस विस्तार के तहत कुल 52 किलोमीटर के क्षेत्र में मेट्रो की सुविधा मिलने लगेगी।

ये पांच नए रूट प्रस्तावित

तीसरे कॉरिडोर के पांच नए रूट के लिए 4250 करोड़ रुपए की मांग शासन से की गई है। अभी तक आईआईटी कानपुर से कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन तक मेट्रो की सुविधा मिल रही है जो रूट तकरीबन 16 किलोमीटर का है। जानकारी के अनुसार पांच नए रूटों में, आईआईटी से मन्धना, झक्करकट्टी से रूमा, सीएसए से गंगा बैराज, मॉल रोड से उन्नाव और विजय नगर से भौतिखेड़ा शामिल हैं। इसमें गंगा बैराज एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल होने के साथ लखनऊ के तरफ जाने वाले एक्सप्रेसवे को भी जोड़ता है। इस रूट में जहां एक ओर चकेरी एयरपोर्ट तक जाने की सुविधा मिल जाएगी, वहीं दूसरी ओर शुक्लागंज, रूमा आदि के अंतरराज्यीय बस अड्डे भी जद में आ जाएंगे।

क्या है अधिकारी का कहना?

कानपुर मेट्रो के जनसंपर्क अधिकारी पंचानन मिश्रा ने बताया कि कानपुर जैसे शहर को विस्तार की जरूरत है। इस तरह का कॉरिडोर समय की मांग भी है। अभी यह प्रस्ताव सरकार के पाले में है। जैसे ही सरकार हमसे डीपीआर के कहेगी हम डीपीआर देकर निर्माण शुरू करवा देंगे। जन जन को मेट्रो की सुविधा मिले हमारा यही लक्ष्य है।

सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों एवं राजस्व वसूली की प्रगति एवं रैंकिंग की डीएम ने की समीक्षा , दिए आवश्यक दिशा निर्देश

बलरामपुर। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल द्वारा सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों एवं राजस्व वसूली की प्रगति एवं रैंकिंग की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड पर खराब रैंकिंग वाले विभागों के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए सुधार लाने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि सभी विभाग निरंतर सीएम डैशबोर्ड की निगरानी करते रहें और डाटा फीड करते समय अच्छी तरह चेक कर लें तथा समय से डाटा फीड करें। डाटा फीडिंग में कोई लापरवाही न बरते। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने विभागों की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने ग्राम स्तर पर योजनाओं के कैंप लगाए जाने के निर्देश दिए। राजस्व कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने संबंधित विभाग द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व प्राप्ति की समीक्षा की एवं मासिक एवं वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष शतप्रतिशत राजस्व वसूली का निर्देश दिया।

'सैयारा से स्कैम न हो जाए यारा, दिल दें मगर... ', यूपी पुलिस का ये पोस्ट क्यों हो रहा वायरल?

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। मोहित सूरी की सैयारा फिल्म को रिलीज के बाद से ही फैंस भरपूर प्यार दे रहे हैं। चार दिनों में ही फिल्म ने 100 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। इसी बीच यूपी पुलिस ने साइबर क्राइम के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए सैयारा फिल्म से रिलेट करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने सैयारा से स्कैम ना हो जाये यारा का टैग लाइन दिया है।

यूपी पुलिस ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि सैयारा से स्कैम ना हो जाये यारा। सैयारा देखकर लोग सिनेमाघरों में बेहोश हो रहे हैं लेकिन असली बेहोशी तब होगी, जब I love you के बाद OTP भेजो प्लीज आएगा और अकाउंट का बैलेंस ₹0 दिखाएगा। दिल दें, OTP नहीं।

इस हेल्पलाइन पर कर सकते हैं संपर्क

दरअसल, साइबर ठग आजकल एक ओटीपी के जरिए धोखाधड़ी करते है। जिसके झांसे में कई लोग फंस जाते हैं और उन्होंने लाखों का नुकसान हो जाता है। बढ़ते साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए यूपी पुलिस ने यह पोस्ट शेयर किया है। साइबर अपराधी आपके नंबर पर ओटीपी भेजेंगे और किसी बने आपसे 6 डिजिट नंबर पूछेंगे। जिसे आपने बता दिया तो आपके अकाउंट खाली हो सकता है। पुलिस ने यह भी सलाह दी है कि अगर कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो जाता है, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या cybercrime.gov.in पर अपनी शिकायत दर्ज करें। यह त्वरित कार्रवाई नुकसान को कम करने में मदद कर सकती है।

ऑनलाइन फ्रॉड के कितने मामले?

पिछले कुछ सालों में भारत में साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़े हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में देशभर में साइबर अपराध के 65,893 मामले दर्ज किए गए, जिनमें ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग और OTP से संबंधित ठगी के मामले प्रमुख थे। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में यह समस्या और भी गंभीर है, जहां डिजिटल लेनदेन की बढ़ती लोकप्रियता के साथ ठगी के मामले भी बढ़ रहे हैं।

वृंदावन में दो दिनों तक गाड़ियों की एंट्री बैन, जानें कहां मिलेगी पार्किंग और कैसा रहेगा रूट प्लान

आर्यावर्त संवाददाता

वृंदावन। 25 जुलाई की शाम से 27 जुलाई तक वृंदावन में वाहनों की एंट्री बंद रहेगी। हर साल की तरह इस साल भी वृंदावन में हरियाली तीज के मौके पर ठाकुर बांके बिहारी जी के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ने वाली है। इसको लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा रूट डायवर्जन किया जा रहा है।

हरियाली तीज के अवसर पर ठाकुर बांके बिहारी जी के दर्शन करने आने वाले लोगों के लिए पर्किंग, सुरक्षा एवं आवागमन की सुविधा को ध्यान में रखा जा रहा है। हरियाली तीज के मौके पर वृंदावन के कई रास्तों को बंद किया जाएगा और शहर के बाहर कई स्थानों पर पर्किंग की

व्यवस्था की जाएगी।

ये रास्ते रहेंगे बंद

1- छटीकरा से कस्वा वृन्दावन की ओर भारी / कॉमर्शियल गाड़ियां बंद रहेंगी। 2- छटीकरा-वृदांवन मार्ग पर मल्टीलेबल पार्किंग स्थल से आगे किसी प्रकार की गाड़ियां नहीं जा सकेगी। 3- वैष्णोदेवी पार्किंग से सभी प्रकार के भारी गाड़ियां बड़ी बसे एवं छोटी बसे वृन्दावन की ओर पूरी तरह बंद रहेगी। 4-रुकमणि बिहार गोलचक्कर से वृन्दावन की ओर सभी प्रकार के भारी गाड़ियां पूरी तरह बंद रहेगी। आवश्यकतानुसार चार पहिया गाड़ियां भी बंद किये जाएगी। 5।मथुरा-वृदांवन मार्ग पर सौ सैया से आगे सभी प्रकार के (भारी / चार पहिया) गाड़ियां बंद रहेंगी। 6।वृन्दावन कट , पानीगांव से वृन्दावन की ओर सभी प्रकार के भारी गाड़ियां पूरी तरह बंद रहेंगी। 7।पानी घाट तिराहे (यमुना पुल) से परिक्रमा मार्ग की ओर वृन्दावन के लिए सभी प्रकार के गाड़ियां बंद रहेंगी। 8- पानी गांव चौराहा से सौ-सैया कस्वा वृन्दावन की ओर सभी प्रकार के भारी गाड़ियां पूरी तरह बंद रहेगी। 9- जैत गांव कट से एनएच-19 से तथा परिक्रमा मार्ग कट एनएच -19 से भारी गाड़ियां / हल्के गाड़ियां सुनरख रोड / वृन्दावन की ओर कोई वाहन प्रवेश नहीं करेगी। 10।गोकुल रेस्टोरेन्ट व मसानी चौराहा से कस्वा वृन्दावन की ओर समस्त प्रकार के भारी गाड़ियां पूरी तरह बंद रहेंगी। 11- परिक्रमा मार्ग पर सभी प्रकार के टैम्पो / ई-रिक्शा बंद रहेगी। 12- कैलाश नगर चौराहा / चामुण्डा देवी कट से वृन्दावन की ओर सभी प्रकार के चार पहिया गाड़ियां , टेम्पो / ई-रिक्शा बंद रहेगी। 13- इलैक्ट्रिक बस छटीकरा / सौ-सैया से कस्वा वृन्दावन की ओर बंद रहेगी। 14- मथुरा की ओर से वृन्दावन की ओर जाने वाले टैम्पो / ई-रिक्शा ट्रैफिक के दबाब को देखते हुए आईटीआई पार्किंग से गाड़ियों को बंद किया जा सकेगा।

कहां-कहां होगी पार्किंग

मथुरा से वृन्दावन

1- पागल बाबा पार्किंग 2- आईटीआई पार्किंग 3- सौ-सैया पार्किंग

सौ-सैया से वृन्दावन कट यमुनाएक्सप्रेस-वे

1- टीएफसी पार्किंग 2- मण्डी पार्किंग 3। पवनहंस हैलीपैड के सामने पार्किंग 4। चौहान पार्किंग (पानीघाट तिराहा) 5- चौधरी पार्किंग 6- पशुपैठ पार्किंग 7- दारुख पार्किंग 8- 100 मीटर पहले राधेराधे धर्मकांटा के पास 9- पैराग्लाइडिंग पार्किंग 10- भोपत ढावा के पास पार्किंग 11- श्रीजी प्राईवेट पार्किंग 12- शिवाढावा पार्किंग 13। एम.वी.डी. ए. पार्किंग

वृन्दावन से रामताल रोड

1- सुनरख मोड प्रेम मन्दिर तिराहा के पीछे पार्किंग 2- सिंह पार्किंग हरेकृष्णा ओर्चिड 3- कुंज बिहारी पार्किंग रामताल रोड 4- गणेश सिटी पार्किंग 5- रामताल रोड ओमेक्स कट के पास पार्किंग

वृन्दावन से छटीकरा रोड

1- वैष्णोदेवी पार्किंग (बसो के लिए) 2- प्रियाकान्तजू मन्दिर पर पार्किंग 3- रॉयलभारती मोड पार्किंग 4- घनश्याम पार्किंग (बांके विहारी पार्किंग) 5- डी0के0 पार्किंग 6- मल्टीलेवल पार्किंग 7- अन्नपूर्णा पार्किंग (मल्टीलेवल के सामने)

सौ-फुटा से प्रेम मन्दिर नन्दनवन रोड

1- गौरी गोपाल पार्किंग 2- सिंह पार्किंग प्रेम मन्दिर के सामने मो0सा0 के लिए 3। शर्मा पार्किंग मो0सा0 के लिए 4। डी0के0 पार्किंग रॉयल भारती के सामने

हरियाली तीज के मौके पर वृन्दावन में इन सभी प्रतिबन्धों के अलावा फायर सर्विस / एम्बूलेन्स एवं इमरजेन्सी गाड़ियां के लिए आवागमन खुला रहेगा।

धोबी तालाब पर कब्जे की कोशिश करने वालों पर सख्त दिखा प्रशासन

आर्यावर्त संवाददाता

बहेड़ी-बरेली। नगर पालिका के बेशकीमती धोबी तालाब पर देर रात जेसीबी व ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से मिट्टी पटान कर कस्बे की कोशिश की गई। मामले की सूचना मिलते ही एसडीएम ने अधिशासी अधिकारी को कार्रवाई के आदेश दिए। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीन, ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा अवैध रूप से मिट्टी का पटान करने वाले पूर्व सभासद को उठाकर थाने ले लाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका के धोबी तालाब पर लगातार कब्जे की कोशिश की जा रही है, जबकि इसकी पैमाइश कर राजस्व विभाग ने चकबंदी कायम कर दी है। दो सप्ताह पहले भी इस जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की गई थी, जिसे प्रशासन ने रोक कर नाकाम कर दिया था। 20 दिन पूर्व नगर पालिका के सभासदों ने जिला अधिकारी को एक ज्ञापन देकर नगर पालिका की जमीन पर भूमाफियाओं द्वारा कब्जा करने की शिकायत की थी। जिस पर एसडीएम ने तहसीलदार भानु प्रताप व नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी शशि प्रभा चौधरी को कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

तालाब के चारों तरफ तारबंदी ठीक से नहीं कराई गईं थीं। पैमाइस के बाद इसकी तारबंदी होनी थी,लेकिन पैमाइश के दौरान कुछ हिस्से में तो पिलर लगाए गए लेकिन बाकी हिस्सा छोड़ दिया।

सभासदों का आरोप है कि राजस्व विभाग की टीम ने इस तालाब के सड़क किनारे के हिस्से को ठीक से पैमाइश के दायरे में नहीं लिया, जिससे लगातार लोग कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। मंगलवार की रात को कस्बे के एक पूर्व सभासद ने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर मिट्टी का पटान शुरू करा दिया। सूचना मिलते ही एसडीएम में मौके पर पुलिस को भेज कर अवैध पटान को रुकवा दिया।

क्या आपको भी कम दिखता है, आंखों के आगे छाई रहती है धुंध? तो जरूर पढ़िए

हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी, लंबे समय से अनियंत्रित ब्लड प्रेशर के कारण आंखों की रेटिना को प्रभावित करने वाली बीमारी है। यह तब होती है, जब उच्च रक्तचाप के कारण रेटिना की रक्त वाहिकाएं संकरी, मोटी या लीक होने लगती हैं।

आंखों से संबंधित समस्याओं का जोखिम बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उम्र के लोगों में देखा जा रहा है। आंखों की समस्याएं सिर्फ आंखों से ही संबंधित हों ये जरूरी नहीं है, कई बार ये कई और स्वास्थ्य स्थितियों के कारण भी हो सकती हैं। डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और तंत्रिकाओं से बीमारी से परेशान लोगों में भी आंखों से संबंधित दिक्कत होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है।

क्या आपको भी अक्सर धुंधला दिखने की समस्या बनी रहती है, आंखों के आगे कुछ स्पष्ट दिखता नहीं है? इसके लिए कौन सी वजहें जिम्मेदार हो सकती हैं?

आधुनिक जीवनशैली में उच्च रक्तचाप एक आम समस्या बन चुकी है। उच्च रक्तचाप के साथ जीना पहले से ही भारी लग सकता है, लेकिन जब यह आपकी दृष्टि को प्रभावित करने लगे तो यह और भी चिंताजनक हो जाता है। हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी ऐसी ही एक स्थिति है जिसके बारे में जानना और पहले से ही बचाव के उपाय करते रहना जरूरी हो जाता है।

हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी- आंखों की गंभीर समस्या

हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी, लंबे समय से अनियंत्रित ब्लड प्रेशर के कारण आंखों की रेटिना को प्रभावित करने वाली बीमारी है। यह तब होती है, जब उच्च रक्तचाप के कारण रेटिना की रक्त वाहिकाएं संकरी, मोटी या लीक होने लगती हैं, जिससे रेटिना को पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं। रेटिना वो परत है, जो आंख के पीछे होती है और प्रकाश को ग्रहण कर उसे मस्तिष्क को भेजती है, जिससे हम देख पाते हैं।

जब रक्तचाप अधिक होता है तो यह रेटिना की छोटी-छोटी रक्त नलिकाओं पर अत्यधिक दबाव डालता है, जिसकी वजह से वे संकुचित हो सकती हैं, उनमें सूजन भी आ सकती है, रक्तस्राव हो सकता है और यहां तक कि रेटिना का कार्य बाधित हो सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल में वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुराग नरूला कहते हैं, हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी, उच्च रक्तचाप के कारण रेटिना को होने वाली क्षति है। इसकी जटिलताओं को रोकने के लिए नेत्र परीक्षण द्वारा शीघ्र पहचान अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्तचाप को नियंत्रित करने से आंखों की इस समस्या को बढ़ने, रोकने या धीमा करने में मदद मिलती है।

हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी एक व्यक्ति से दूसरे में नहीं फैलता, यानी यह संक्रामक रोग नहीं है, इसका मुख्य कारण लंबे समय से अनियंत्रित रक्तचाप है। इस स्थिति के लिए मधुमेह, उच्च कोलेस्ट्रॉल, धूम्रपान एवं शराब, मोटापा और शारीरिक निष्क्रियता जैसे कारक भी जिम्मेदार हैं। अगर आपको काफी समय से धुंधला दिखाई दे रहा है तो तुरंत नेत्र रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें।

कैसे करें इसकी पहचान?

हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी के शुरुआती चरणों में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते, लेकिन रोग के बढ़ने पर धुंधलापन, आंखों के सामने तैरते धब्बे या रेखाएं, दृष्टि में कमी हो सकती है। बहुत दुर्लभ स्थिति में आंखों की रोशनी पूरी तरह से खत्म हो सकती है।

आंखों की इस समस्या से बचाव कैसे करें?

हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी का कोई विशिष्ट इलाज नहीं है, परंतु इसके प्रभावों को रोका और नियंत्रित किया जा सकता है। इसके लिए रक्तचाप को नियंत्रित करना, दवाओं का नियमित सेवन, जीवनशैली में बदलाव, खाने में नमक और वसा को कम करना, नियमित व्यायाम और तनाव प्रबंधन करना बेहद जरूरी है।

इसके अलावा 40 वर्ष की आयु के बाद नियमित नेत्र जांच कराना भी भविष्य में आपको इस समस्या से सुरक्षित रखने में सहायक हो सकता है।

अब पार्लर जाने की जरूरत नहीं! हरियाली तीज पर ऐसे करें फेशियल, चेहरे पर आएगा नेचुरल ग्लो

हरियाली तीज एक प्रमुख हिन्दू पर्व है, जिसे श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। ये त्योहार रूप से सुहागिन महिलाओं द्वारा मनाया जाता है। मान्यता है कि देवी पार्वती ने कई वर्षों तक तप करके शिवजी को पति रूप में इसी दिन प्राप्त किया था। इसी के चलते हरियाली तीज का ये दिन उनके सफल पुनर्मिलन का प्रतीक है। ऐसे में विवाहित स्त्रियां अपने पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन के लिए व्रत रखकर मनाती हैं।

बात जब सुहागिन महिलाओं के द्वारा की जाने वाली पूजा-पाठ की हो रही है तो सजना-संवरना तो बनता है। इस दिन खूबसूरत दिखने के लिए महिलाएं खूब तैयार होती हैं और पहले से पार्लर जाती हैं। यदि आप भी इस दिन चांद सा चेहरा चाहती हैं, लेकिन पार्लर जाने का समय नहीं मिल पा रहा है तो घर पर फेशियल कर लें। घर पर आप छह आसान स्टेप्स में फेशियल कर सकती हैं।

पहला स्टेप

फेशियल का सबसे पहला स्टेप होता है क्लींजिंग.... इस स्टेप में चेहरे को साफ किया जाता है। इसके लिए आप कच्चे दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस्तेमाल के लिए सबसे पहले अपने चेहरे को साफ करें, फिर चेहरे पर कच्चा दूध अप्लाई करें और हल्के हाथ से मसाज करें। 10 मिनट बाद चेहरा धो लें। इससे चेहरे की गंदगी साफ होती है।

दूसरा स्टेप

अब बारी आती है स्क्रबिंग की तो स्क्रबिंग के लिए सबसे पहले बेसन, चुटकीभर हल्दी और साथ ही में दूध/दही मिक्स करें। तीनों चीजों को मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे चेहरे पर अप्लाी करें। अब 7-8 मिनट हल्के साथ से चेहरे की मसाज करें और फिर अपना चेहरा धो लें। इससे आपके चेहरे की डेड स्किन साफ हो जाएगी।

तीसरा स्टेप

तीसरा स्टेप सबसे अहम है, इसमें आपको चेहरे पर स्टीम लेनी है। इसके लिए गर्म पानी में चेहरा 5 मिनट तक रखें। चाहें तो पानी में नीम की पत्तियां डाल सकती हैं। इसकी मदद से आपकी त्वचा पोर्स खुलते हैं और स्किन गहराई से साफ होती है। ये स्किन के लिए काफी फायदेमंद होती है, बस इसका इस्तेमाल ध्यान से करें।

चौथा स्टेप

स्टीम लेने के बाद अब चेहरे को आराम की जरूरत है, जिसके लिए आपको फेस मसाज करनी है। इसके लिए हाथों में एलोवेरा जेल और कुछ बूंदें गुलाबजल की लेकर उससे चेहरे पर मसाज करें। इससे स्किन का ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है।

पांचवा स्टेप

चेहरे को आराम देने के बाद इसपर फेस मास्क अप्लाई करें। इसके लिए मुल्तानी मिट्टी, चंदन पाउडर, गुलाबजल आपके काम आएगा। पैक को लगाने के लिए तीनों चीजों को मिक्स करें और ब्रश की मदद से चेहरे पर अप्लाई करें। अब पैक लगाकर 15 मिनट रखें, सूखने पर ठंडे पानी से धो लें।

छठा स्टेप

ये फेशियल का आखिरी स्टेप है, जिसमें चेहरे की टोनिंग और मॉइश्चराइजिंग की जाती है। इसके लिए सबसे पहले तो गुलाबजल को स्प्रे करें या कॉटन से चेहरे पर अप्लाई करें। जब ये सूख जाए तो स्किन टाइप के हिसाब से अच्छी क्रीम का इस्तेमाल करें। बस इन छह स्टेप से आपका चेहरा चांद सा चमकेगा।

सावन शिवरात्रि पर घर के द्वार और आंगन में बनाएं ये आसन रंगोली डिजाइन

सावन शिवरात्रि का पर्व मनाया जा रहा है। सावन शिवरात्रि भगवान शिव और माता पार्वती से जुड़ा एक महत्वपूर्ण पर्व है। इस मौके पर शिवभक्त उपवास करते हैं, मंदिर जाते हैं और शिवलिंग का जलाभिषेक या रूद्राभिषेक करते हैं। वहीं कुछ लोग घर पर भी शिव पूजन करते हैं। सावन माह में रूद्राभिषेक और मंत्रोच्चारण की ध्वनि शिवभक्तों के घर आंगन में सुनाई देना सामान्य बात है। ऐसे में शिव की भक्ति में लीन लोगों को सावन के पावन मौके पर घर के द्वार और आंगन पर पारंपरिक रंगोली बनाकर शिव पूजन करना चाहिए।

सावन शिवरात्रि के खास मौके पर आप शिवशक्ति से प्रेरित सुंदर रंगोली डिजाइन घर के द्वार, आंगन या मंदिर में सजा सकते हैं। यहां आपको शिव की आसान और प्रभावी रंगोली डिजाइन की कुछ तस्वीरें दी जा रही हैं, जिसे देखकर आप अपने घर पर भी मिनटों में रंगोली सजा सकते हैं।

शिवलिंग आकार की रंगोली डिजाइन

इस तरह की रंगोली डिजाइन बनाने में आसान और सुंदर दिखती है। इसे बनाने के लिए चावल का उपयोग भी कर सकते हैं। शिवलिंग का आकार दें और रंगोली से रंग भरें।

फूलों से रंगोली की आउटलाइन

रंगोली की ये डिजाइन झटपट बनाई जा सकती है। गोलाकार आकृति के एक ओर से गोले को लंबा फैलाकर शिवलिंग बनाएं। पीला और नारंगी रंग इस तरह की रंगोली डिजाइन पर अधिक आकर्षक लगेगा। बीच में दीपक जाएं। फूलों से रंगोली को आउटलाइन भी दे सकते हैं।

ऊँ की रंगोली

तस्वीर में नजर आ रही ये रंगोली डिजाइन बनाने में सरल है। इसमें एक चतुर्भुज आकृति को एक रंग से भरे। उसके अंदर ऊँ की आकृति बनाएं। चाहें तो ऊँ में शिवलिंग को भी दर्शा सकते हैं। चतुर्भुज के किनारों पर दीपक रखें।

चावल की रंगोली

अगर आप बच्चों के साथ रंगोली बना रही हैं या कम जगह में छोटी -छोटी रंगोली डिजाइन बनाना चाहती हैं तो रंगोली की इस डिजाइन को बना सकती हैं। इसमें शिवलिंग की आकृति बनाई गई है। खास बात ये है कि इस रंगोली डिजाइन को बनाने के लिए आपको अलग से रंगों की जरूरत भी नहीं है। घर में रखी चीजों जैसे चावल, हल्दी और कुमकुम से बनाएं।

शिव नाम की रंगोली

ये रंगोली डिजाइन काफी आकर्षक है। इसमें शिव रंगों से लिखा गया है। जिसमें शिव के श के ऊपर चावल से शिवलिंग बनाया गया है और व के अंदर में बेलपत्र की तीन पत्तियां बनाई गई हैं।

समय से रिटर्न नहीं भरा तो देना पड़ेगा इतना जुर्माना!

आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख अब 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी गई है। लेकिन तय समय के बाद रिटर्न फाइल करने पर ₹1,000 से ₹5,000 तक जुर्माना और हर महीने 1% ब्याज देना पड़ सकता है। साथ ही रिफंड, लोन, वीजा जैसे कामों में भी दिक्कतें आ सकती हैं।

अगर आप अभी तक अपना इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल नहीं कर पाए हैं, तो आपके लिए राहत की खबर है। इस बार आयकर विभाग ने रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी है। यानी अब टैक्सपेयर्स को रिटर्न फाइल करने के लिए 45 दिनों का अतिरिक्त समय मिल गया है।

हालांकि यह समयसीमा सिर्फ राहत के लिए है, लापरवाही के लिए नहीं। क्योंकि अगर आपने 15 सितंबर के बाद आईटीआर फाइल किया, तो न सिर्फ भारी जुर्माना देना पड़ सकता है, बल्कि आपकी फाइनेंशियल प्रोफाइल पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है।

तय समय के बाद आईटीआर फाइल करने पर हो सकते हैं ये नुकसान

आईटीआर फाइल करने में देरी करना महज एक छोटी गलती नहीं है, इसका असर आपकी आर्थिक साख और भविष्य की योजनाओं पर भी पड़ता है।

1- फाइनेंशियल हिस्ट्री पर बुरा असरः लेट फाइलिंग से आपकी टैक्स प्रोफाइल पर सवाल उठते हैं, जो बैंक और अन्य वित्तीय संस्थानों की नजर में आपकी विश्वसनीयता को कम कर सकता है।

2- लोन एप्लिकेशन में दिक्कतः आईटीआर समय पर फाइल न करने पर पर्सनल, होम या बिजनेस लोन के लिए आवेदन करते समय अड़चने आ सकती हैं। कई बार बैंक पिछला आईटीआर रिकॉर्ड देखकर ही लोन अप्रूव करते हैं।

3- रिफंड क्लेम में देरीः अगर आपके रिटर्न में रिफंड बनता है और आपने आईटीआर देरी से फाइल किया है, तो रिफंड मिलने में अनावश्यक देरी हो सकती है।

4- वीजा प्रोसेस में बाधाः विदेश यात्रा या पढ़ाई के लिए वीजा आवेदन के समय समय पर फाइल किया गया आईटीआर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है। देरी से दाखिल रिटर्न इस प्रक्रिया में रुकावट बन सकता है।

कितना देना होगा जुर्माना?

अगर कोई व्यक्ति 15 सितंबर के बाद आईटीआर फाइल करता है, तो उसे आयकर कानून के तहत देरी से फाइलिंग का जुर्माना देना होता है। जुर्माने की राशि आपकी कुल सालाना आय के आधार पर तय होती हैः

सालाना आय	देरी का जुर्माना
₹5 लाख से कम	₹1,000
₹5 लाख से ज्यादा	₹5,000

इसके अलावा, अगर आपके ऊपर टैक्स बकाया है और आपने उसे समय पर नहीं चुकाया है, तो हर महीने 1% का ब्याज भी अतिरिक्त देना पड़ सकता है।

आईटीआर फाइल करते समय इन बातों का जरूर रखें ध्यान

आईटीआर फाइलिंग केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। इसे सही तरीके से और तय समयसीमा के भीतर करना बेहद जरूरी है। फाइल करते वक्त कुछ अहम बातों का ध्यान रखें।

1- सहीआईटीआर फॉर्म चुनेंः इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर फिलहाल आईटीआर-1, आईटीआर-2, आईटीआर-3 और आईटीआर-4 उपलब्ध हैं। अपनी आय के स्रोत, नौकरी, व्यवसाय और अन्य विवरणों के आधार पर सही फॉर्म का चयन करें।

2- टैक्स रिजीम का चुनाव सोच-समझकर करेंः अब आपको पुरानी टैक्स व्यवस्था (Old Regime) और नई टैक्स व्यवस्था (New Regime) में से किसी एक का चुनाव करना होता है। पुरानी व्यवस्था में जहां ज्यादा छूट और कटौतियां मिलती हैं, वहीं नई व्यवस्था में दरें कम हैं लेकिन छूट सीमित है। अपनी आय और व्यय के अनुसार फैसला करें।

3- ई-वेरिफिकेशन करना न भूलेंःआईटीआर फाइल करने के बाद उसे ई-वेरिफाई करना अनिवार्य है। यदि आपने रिटर्न भर दिया लेकिन ई-वेरिफिकेशन नहीं किया, तो आपकी फाइलिंग अधूरी मानी जाएगी और उसे मान्य नहीं किया जाएगा।

4- दस्तावेजों की जांच पहले करेंः फॉर्म भरने से पहले सभी जरूरी दस्तावेज जैसे फॉर्म 16, बैंक स्टेटमेंट, निवेश की रसीदें, और अन्य आय के प्रमाण तैयार रखें। इससे गलती की संभावना कम होगी।

विदेशी निवेशकों में फिर बढ़ने लगा भारतीय बॉन्ड का क्रेज ; रेपो रेट में एक और कटौती की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। रेपो दर के अगस्त में एक बार और घटने की उम्मीद लगाए बैठे विदेशी निवेशकों में भारतीय सरकारी बॉन्ड के प्रति आकर्षण फिर बढ़ने लगा है। विदेशी निवेशकों ने पिछले एक महीने में 129 अरब रुपये के भारतीय बॉन्ड खरीदे हैं। इससे पहले चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले ढाई महीनों में 330 अरब से ज्यादा की बिकवाली की थी।

ipur स्थित स्ट्रेट्स इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट के सीईओ मनीष भार्गव ने कहा, आरबीआई ने जून में रेपो दर में कटौती करने के साथ अपने रुख को तटस्थ कर लिया। इससे विदेशी निवेशकों ने लंबे समय तक निवेश नहीं करने का फैसला किया। लेकिन, जून में खुदरा महंगाई में भारी गिरावट को देखते हुए निवेशक एक और कटौती का अनुमान लगा रहे हैं। भार्गव ने कहा, अगर महंगाई कम रही और विकास संबंधी चिंताएं बनी रहीं, तो अगस्त में रेपो दर में 0.25 फीसदी की कटौती संभव है।

मजबूत आर्थिक बुनियाद भी मददगार

आलियांजजीआई में उभरते बाजार कर्ज की प्रमुख पोर्टफोलियो प्रबंधक एवं लंदन स्थित गिउलिया पेलेग्रिनी ने कहा, भारत की समग्र आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। इससे देश निवेशकों की नजरों में बना हुआ है। उच्च आवृत्ति वाले आंकड़ों के हालिया निराशाजनक प्रदर्शन और आर्थिक वृद्धि में मंदी की आशंका को देखते हुए आरबीआई से आगे अधिक समर्थन की उम्मीद है।

भारतीय घरेलू ऋण की स्थिति आकर्षक

लंदन में टीटी इंटरनेशनल एसेट मैनेजमेंट में उभरते बाजारों के ऋण प्रमुख जीन चार्ल्स सैम्बोर ने कहा, भारत की घरेलू ऋण की स्थिति विदेशी मुद्रा और दरों दोनों के मामले में बहुत आकर्षक बनी हुई है। इस साल और अगले वर्ष बॉन्ड पर मिलने वाले रिटर्न में गिरावट आ सकती है।

उत्प्रेरक का काम करेगी ब्याज दरों में कटौती

निवेशकों का कहना है कि भारत और अमेरिका में ब्याज दरों के बीच बढ़ता अंतर भारतीय ऋण के आकर्षण को बढ़ाएगा। सिंगापुर स्थित फर्स्ट सेंटियर इन्वेस्टर्स के एशियन फिक्स्ड इनकम प्रमुख निगेल फू ने कहा, फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती भारतीय बॉन्ड के लिए सकारात्मक उत्प्रेरक का काम कर सकती है, क्योंकि इनसे स्थानीय मुद्रा ऋण बाजारों को मदद मिलती रही है। हालांकि, समान नीतिगत दर स्तरों पर भारतीय बॉन्ड पर रिटर्न पहले की तुलना में कम है। इसलिए, यह अपेक्षाकृत कम आकर्षक है।

आयरलैंड में भारतीय व्यक्ति पर नस्लीय हमला, कपड़े उतारे और ब्लेड से किया घायल

आयरलैंड। आयरलैंड की राजधानी डबलिन में एक नस्लवादी गिरोह ने 40 वर्षीय एक भारतीय व्यक्ति पर हमला किया। हमलावरों ने व्यक्ति के साथ मारपीट की और उसके कपड़े भी फाड़ दिए। व्यक्ति के चेहरे, हाथ और पैरों पर कई जगह घाव के निशान थे और वह खून से लथपथ था। व्यक्ति पर बच्चों के सामने अनुचित व्यवहार करने का झूठा आरोप लगाया गया था। आयरिश पुलिस इस मामले की जांच हेट क्राइम के रूप में कर रही है। एक महिला ने बताया कि ये हमलावर चार दिन में चार भारतीयों पर निशाना बनाकर उनपर चाकू से हमला कर चुके हैं।

पुलिस ने बताया कि गार्डा (आयरिश राष्ट्रीय पुलिस) को शनिवार 19 जुलाई की शाम को सूचना मिली कि राजधानी डबलिन के पार्क हिल रोड, टैलाघ्ट एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा हैं। सूचना पर गार्डा घटनास्थल पर पहुंचे और उस व्यक्ति को टैलाघ्ट विश्वविद्यालय अस्पताल ले जाया गया। 20 जुलाई को व्यक्ति को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

आयरिश पुलिस ने खारिज किया आरोप

गार्डा के ने भारतीय व्यक्ति पर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया। पुलिस का कहना है कि हमलावरों ने झूठा दावा किया कि वह व्यक्ति बच्चों के सामने अनुचित व्यवहार कर रहा था। इन दावों को प्रमुख दक्षिणपंथी और अप्रवासी-विरोधी ऑनलाइन अकाउंट्स द्वारा ऑनलाइन प्रसारित किया जा रहा है। हालाँकि, गार्डा ने व्यक्ति के अनुचित व्यवहार के दावों को खारिज कर दिया।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों क्या बताया ?

एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि उसने भारतीय व्यक्ति पर हमला होते देखा था। एक आयरिश महिला के बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। महिला ने बताया कि वह अपनी ससुराल जा रही थी, तभी उसने देखा कि 13 लोग, जिनमें एक महिला भी शामिल थी, उस आदमी को घेर रहे थे। उस व्यक्ति का पूरा शरीर खून से लथपथ था।

हमलावरों के पंजे में लगे थे ब्लेड

घटना के बारे में बात करते हुए महिला भावुक हो गई। उसने कहा कि व्यक्ति बहुत शर्मिंदा था और उसे भी समझ नहीं आ रहा था कि उसके साथ क्या हो रहा है। उसने बताया कि हमलावरों ने व्यक्ति के सारे कपड़े उतार दिए थे। महिला ने बताया कि उन हमलावरों के हाथ के पंजे में ब्लेड लगे थे, जिससे वह व्यक्ति पर हमला कर रहे थे। ब्लेड की वजह से व्यक्ति का सिर फट गया था। उसने बताया कि यह हमला दिन दहाड़े शाम 6 बजे हुए थे। महिला ने व्यक्ति को प्राथमिक उपचार और ओढ़ने के लिए कंबल दिया और इस घटना के बारे में पुलिस को सुचित किया। व्यक्ति एक हफ्ता पहले ही आयरलैंड गया था।

भारतीयों पर करते हैं चाकू से हमला

महिला ने बताया कि इस गिरोह के सदस्य मोहल्लों में घूमते और लोगों के चेहरे पर चाकू मारते हैं। ये लोग अधिकतर भारतीयों को अपना निशाना बनाते हैं। महिला ने बताया कि पिछले चार दिनों में इन किशोरों ने चार भारतीयों के चेहरे पर चाकू से हमला किया।

आयरिश न्याय मंत्री ने घटना पर दिया बयान

आयरिश न्याय मंत्री जिम ओ'कैलाघन ने कहा कि उन्हें विदेशी नागरिकों पर झूठे अपराध के आरोप लगाए जाने की घटनाओं की जानकारी है। उन्होंने कहा कि आप सुनते हैं कि लोग अपराधों के लिए आप्रवासियों को दोषी ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसको लेकर मैंने आंकड़े मांगे है और जब आप अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए लोगों की जेलों में आबादी को देखेंगे, तो पाएंगे कि जेलों में बंद आप्रवासियों का प्रतिशत समाज में मौजूद आप्रवासियों के प्रतिशत से कम है। उन्होंने कहा कि इसलिए इस बात में कोई दम नहीं है कि आप्रवासियों द्वारा अपराध करने की संभावना अधिक होती है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लेने से बाज नहीं आ रहे ट्रंप, फिर बोले- मैंने युद्ध रुकवाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लेने से बाज नहीं आ रहे हैं। करीब 20 से अधिक बार ट्रंप संघर्ष विराम का दावा कर चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराया। इस संघर्ष में पांच फाइटर जेट मार गिराए गए थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष परमाणु युद्ध में बदलने वाला था। जबकि भारत बार-बार इसका खंडन कर रहा है। वहीं ट्रंप के इस दावे को कांग्रेस ने सिल्वर जुबली करार दिया है।

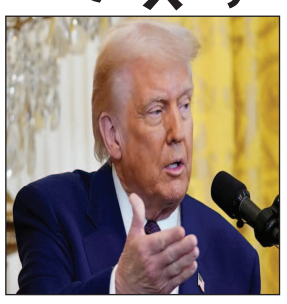

रिपब्लिकन सीनेटरों के लिए आयोजित एक रात्रिभोज के दौरान व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि हमने भारत और पाकिस्तान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा के बीच युद्ध रोक दिए। ये गंभीर युद्ध थे। भारत और पाकिस्तान में जो चल रहा था। वहां से विमानों को मार गिराया जा रहा था। मुझे लगता है कि पांच जेट मार गिराए गए थे। मैंने उन्हें फोन किया और कहा कि सुनो, अब और व्यापार नहीं। अगर तुम ऐसा करोगे, तो तुम्हारा भला नहीं होगा। वे दोनों शक्तिशाली परमाणु संपन्न देश हैं और ऐसा होता ही और कौन जानता है कि इसका क्या नतीजा होता। मैंने इसे रोक दिया।

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने ईरान की पूरी परमाणु क्षमता को नष्ट कर दिया है और कोसोवो और सर्बिया के बीच संघर्ष को भी रोक दिया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि हमने युद्ध नहीं रोका, लेकिन हमने वह रोका जो युद्ध में बदल सकता था। हम सदन में अमेरिका की सराहना के लिए ऐसा कर रहे हैं। ठीक है, क्या आपको लगता है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ऐसा करते? मुझे ऐसा नहीं लगता। क्या आपको लगता है कि उन्होंने कभी इनमें से किसी देश के बारे में सुना है? मुझे ऐसा नहीं लगता। ट्रंप के दावे के बाद कांग्रेस ने एक बार फिर मोदी सरकार को घेरा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि एक ओर मोदी सरकार संसद में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर बहस की निश्चित तारीखें देने से इनकार कर रही है और प्रधानमंत्री के जवाब देने को लेकर भी कोई आश्वासन नहीं दे रही है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति ट्रंप इस मुद्दे पर अपने दावों के साथ सिल्वर जुबली तक पहुंच चुके हैं। पिछले 73 दिनों में राष्ट्रपति ट्रंप इस विषय पर 25 बार ढिंढोरा पीट चुके हैं, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री अब तक पूरी तरह मौन हैं। उन्हें केवल विदेश यात्राओं और देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं को अस्थिर करने के लिए ही समय मिल रहा है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी श्रेय लेने की कोशिश

इससे पहले कार्यवाहक अमेरिकी प्रतिनिधि राजदूत डोरोथी शी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बहुपक्षवाद और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान विषय पर आयोजित बैठक में भी भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लेने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में जहां तक संभव हो अमेरिका विवादों से जुड़े पक्षों के साथ शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए काम करता रहता है। शी ने कहा कि पिछले तीन महीनों में ही अमेरिकी नेतृत्व ने इस्राइल और ईरान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा और भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने में सफलता हासिल की है। 10 मई के बाद से ट्रंप ने कई मौकों पर अपने इस दावे को दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के समाधान में मदद की और उन्होंने परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसियों से कहा कि अगर वे संघर्ष रोक दें तो अमेरिका उनके साथ व्यापार करेगा।

पाकिस्तान के PoK में अपने ही सरकार के खिलाफ बागी क्यों हो गए 80 हजार जवान?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में अपने ही सरकार के खिलाफ 80 हजार पुलिस के जवानों ने बगावत का झंडा उठा लिया है। सरकार के खिलाफ बागी ये जवान लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। मंगलवार (22 जुलाई) को इन जवानों को समझाने के लिए पुलिस ने हाई लेवल मीटिंग की, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला।

बीबीसी उर्दू के मुताबिक पीओके के इन पुलिस जवानों ने तब तक हड़ताल करने की चेतावनी दी है, जब तक इनकी मांगों को सरकार नहीं मानती है। पीओके में जवानों के इस बगावत ने सरकार की टेंशन बढ़ा दी है।

सवाल- पीओके में बागी क्यों हो गए जवान?

1- बागी जवानों ने सरकार को 10 सूत्री मांगों की एक सूची सौंपी है।

इन जवानों का कहना है कि इनकी सैलरी पिछले 60 सालों से एक जैसी है। सरकार 2008 के अनुसार इन्हें महंगाई भत्ता और अन्य सुविधाएं दे रही है, जबकि अन्य जगहों पर 2022 के तहत दी जा रही है। जवानों ने इसी वजह से सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

2- पुलिस के इन जवानों का कहना है कि उन्हें और उनके परिवारों को पाकिस्तान और पीओके के प्रमुख अस्पतालों में सेना जैसी सुविधाएं दी जाएं। इन जवानों के मुताबिक सरकार इनसे सेना की तरह काम तो करवाती है, लेकिन सुविधा नहीं देती है।

3- आंदोलन कर रहे इन जवानों का कहना है कि सरकार ने वर्दी खरीदने को लेकर जो नियम बनाए हैं, वो गलत है। वर्दी खरीदने के लिए सीधे जवानों को पैसा दिया जाए। इससे अच्छी क्वालिटी की वर्दी खरीदी जा सकेगी।

निदान के बदले धमकाने उतारी सरकार

पीओके प्रांत के आईजी अब्दुल जब्बार ने आंदोलन कर रहे पुलिस कर्मियों के लिए चेतावनी जारी की है। जब्बार ने कहा है कि पुलिस एक अनुशासनात्मक बल है। सभी जवान इस बात को समझें और जो पुलिस कर्मचारी अनुशासन का उल्लंघन कर रहे हैं, वे खुद को कमजोर कर रहे हैं।

जब्बार ने मंगलवार को पुलिस यूनियन के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की थी, जिसमें समाधान नहीं निकल सका। इसके बाद आंदोलन कर रहे पुलिसकर्मियों से उन्होंने कहा कि सरकार से हम बात करेंगे, आप लोग आंदोलन को रोक दीजिए।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आंदोलन की शुरुआत आईजी जब्बार के एक पत्र से ही हुई थी। जब्बार ने सरकार को कुछ दिनों पहले एक पत्र लिखा था, जिसमें वेतन को संशोधित करने का अनुरोध किया गया था, लेकिन सरकार ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

बिहार विधानसभा में माहौल गर्म, राजद विधायक बोले- सदन किसी के बाप का नहीं, नीतीश ने तेजस्वी को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो माहौल गर्म रहा। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही तेजस्वी यादव ने एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की। तेजस्वी यादव की मांग पर विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने सभी दलों को इस मुद्दे पर अपनी बातों को रखने के लिए वक्त का भी आवंटन कर दिया था। हालांकि RJD विधायक के एक बयान के बाद सदन को स्थगित कर दिया गया।

तेजस्वी यादव ने जब सदन में दोबारा बोलने की शुरुआत की तब सत्ता पक्ष के कुछ सदस्य बीच में शोर करने लगे। इसी बात पर राजद के विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि सदन किसी के बाप का नहीं है। विपक्ष को भी यहां पर अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। भाई वीरेंद्र का इतना कहना था कि सदन का माहौल पूरी तरह से गरम हो गया। इसके बाद पक्ष और विपक्ष, दोनों के सदस्य आपस में ही भिड़ गए।

पूरे सदन में तीखी बहस होने लगी। इस सबके बाद सदन का माहौल इतना बिगड़ गया कि विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया। हालांकि इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने भाई वीरेंद्र से माफी मांगने की बात कही।

सीएम नीतीश ने गिनाए अपने काम

तेजस्वी ने अपनी बहस की शुरुआत की तब पहली बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीच में उठ खड़े हुए और उन्होंने बताना शुरू किया कि उन्होंने बिहार के लिए क्या-क्या काम किए हैं ? सीएम ने यह भी कहा कि 2005 के पहले बिहार में किस तरीके की व्यवस्था थी? लोग शाम पांच बजे के बाद घरों से नहीं निकलते थे। अराजकता का माहौल था।

सीएम ने तेजस्वी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि तुम तो बच्चे थे। तुमको क्या पता जब तुम्हारे मां-बाप की सरकार थी, तब यहां पर क्या-क्या होता था? हम लोगों ने किस तरीके से काम किया और बिहार को सही रास्ते पर लेकर आएं हैं।

जनता बताएगी किसने क्या किया? -नीतीश

सीएम ने यह भी कहा कि हालांकि उसके बाद बीच में दो बार कुछ दिनों के लिए मौका भी दिया, लेकिन उसके बावजूद भी तुम लोग वैसा ही काम करते रहे. तब जाकर हम लोगों ने बिहार के विकास के लिए काम करना शुरू किया. अभी बिहार की क्या हालत है? सबके सामने है. आने वाले कुछ दिनों में चुनाव होने वाले हैं और सबको चुनाव में जाना है. उस समय जनता बताएगी कि किसने क्या किया है?

भाषा विवाद पर राज्यपाल राधाकृष्णन ने जताई चिंता, कहा– भाषाई नफरत से राज्य को होगा नुकसान

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में छिड़े भाषा विवाद पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भाषाई नफरत से राज्य को नुकसान होगा। साथ ही उद्योग और निवेश पर भी असर पड़ेगा। इससे दूर रहने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर एक कॉफी टेबल बुक के विमोचन के अवसर पर राधाकृष्णन ने पूछा कि यदि आप आएं और मुझे पीटें, तो क्या मैं तुरंत मराठी में बात कर सकता हूं? अगर इस तरह की नफरत फैलाई गई तो राज्य में कोई उद्योग और निवेश नहीं आएगा। लंबे समय में हम राज्य को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि जब वह तमिलनाडु में सांसद थे तो उन्होंने एक समूह को दूसरे समूह की पिटाई करते देखा क्योंकि वे तमिल में बात नहीं कर रहे थे। मैं हिंदी नहीं समझ पाता और यह मेरे लिए एक बाधा है। हमें अधिक से अधिक भाषाएं सीखनी चाहिए और हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व भी होना चाहिए।

राज्यपाल की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा कि राज्य में कोई भाषाई द्वेष नहीं है और राजनीतिक टिप्पणी करने की कोई जरूरत नहीं है।

क्या है महाराष्ट्र में भाषा विवाद

अप्रैल में महाराष्ट्र सरकार ने आदेश दिया था कि पहली से पांचवीं कक्षा तक हिंदी पढ़ाना अनिवार्य होगा। राज्य सरकार के इस फैसले के बाद प्र-मराठी संगठनों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। साथ ही सरकार पर इस नीति के तहत जबरदस्ती हिंदी थोपने का आरोप लगाया। हालांकि बाद में सरकार ने आदेश में बदलाव करते हुए कहा कि हिंदी तीसरी भाषा होगी, लेकिन छात्र तभी दूसरी भाषा चुन सकते हैं जब 20 से ज्यादा बच्चे एक साथ आवेदन दें, जो शिक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, असंभव है। इसके बाद मुंबई में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने गैर-मराठी लोगों पर हमले किए। मुंबई में एक दुकानदार को मारा, क्योंकि उसने मराठी नहीं बोली और राज ठाकरे की आलोचना की। इसी तरह का एक मामला पुणे में भी हुआ, जहां एक व्यक्ति को पीटा गया।

शरद पवार–उद्धव ने की सीएम फडणवीस की तारीफ, भाजपा नेता बोले– यह राज्य की संस्कृति का हिस्सा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की एनसीपी नेता शरद पवार और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने तारीफ की। इसे लेकर भाजपा नेताओं खुशी जाहिर की है। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह महाराष्ट्र की संस्कृति का हिस्सा है। पवार और ठाकरे ने सीएम फडणवीस के जन्मदिन पर जारी की गई काफी टेबल बुक में उनकी तारीफ की थी।

महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि किसी व्यक्ति के जन्मदिन पर उसके अच्छे काम और उपलब्धियों की सराहना करना महाराष्ट्र की सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है। मेरा मानना है कि उद्धव ने देवेंद्र फडणवीस के काम, उनके विजन और खासकर 2029 तक विकसित महाराष्ट्र के लिए उनके द्वारा रखे गए लक्ष्य की सराहना की है। इस विजन को वाकई महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है। उद्धव ठाकरे द्वारा की गई प्रशंसा न केवल इस राज्य की राजनीति के लिए, बल्कि सभी राजनीतिक दलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जन्मदिन की बधाई या प्रशंसा कोई राजनीतिक घटना नहीं है, यह प्रोत्साहन का एक रूप है।

वहीं भाजपा विधायक राम कदम ने कहा कि शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने सीएम के बारे में जो भी कहा है, वो बिल्कुल सही है। सीएम एक मेहनती कार्यकर्ता की तरह रात के तीन बजे तक हर व्यक्ति से मिलते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने की कोशिश करते हैं। हमें ये समझने की जरूरत है कि हमारी राजनीतिक पार्टियां अलग हैं। हमारी लड़ाई विचारों की है, व्यक्तिगत दुश्मनी की नहीं।

फडणवीस ने जताया था ठाकरे और पवार का धन्यवाद

इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने जन्मदिन पर जारी कॉफी टेबल बुक में उनकी प्रशंसा करने के लिए एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को धन्यवाद दिया था। उन्होंने कहा कि वे उनके वैचारिक विरोधी हैं, दुश्मन नहीं। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राजभवन में फडणवीस पर महाराष्ट्र नायक नामक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया था। पुस्तक में शरद पवार ने लिखा है कि जब वह फडणवीस को देखते हैं तो उन्हें वह समय याद आता है जब वह स्वयं 1978 में पहली बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने थे।

हिमेश रेशमिया की कॉन्ट्रोवर्सी, 'आशिक बनाया आपने' से आशा भोसले तक

हिमेश रेशमिया आज 23 जूलाई को अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। हिमेश रेशमिया का सफर विवादों और सफलताओं से भरा रहा है। उनके जन्मदिन पर फैंस उनके गानों का जश्न मना रहे हैं, लेकिन उनकी कॉन्ट्रोवर्सी भी हमेशा चर्चा का हिस्सा बनी रहती है।

23 जुलाई को बॉलीवुड के मशहूर सिंगर, संगीतकार और अभिनेता हिमेश रेशमिया अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनकी जिंदगी और करियर कई बार विवादों में भी रहे हैं। खास तौर पर उनके सुपरहिट गाने 'आशिक बनाया आपने' और 'नाक से गाने' के अंदाज ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया।

'आशिक बनाया आपने' की कॉन्ट्रोवर्सी

हिमेश रेशमिया को जिस गाने से बॉलीवुड में पहचान मिली वो है- 'आशिक बनाया आपने। 'आशिक बनाया आपने' का जलवा और विवाद साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म 'आशिक बनाया आपने' का टाइटल ट्रैक से शुरू हुआ। यह गाना हिमेश की आवाज में सुपरहिट हुआ। इस गाने ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। लेकिन उनके हाई-पिच और 'नाक से गाने' के अंदाज की वजह से उनकी खूब आलोचना भी हुई। सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें ट्रोल भी किया और उनके गायकी के स्टाइल का मजाक उड़ाया। फिर भी, हिमेश ने हार नहीं मानी और 'झलक दिखला जा', 'तेरा सुरूर' जैसे कई हिट गाने दिए।

आशा भोसले से विवाद

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हिमेश का सबसे बड़ा विवाद तब हुआ जब उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि मशहूर संगीतकार आरडी बर्मन भी 'नाक से गाते' थे, लेकिन उनकी आलोचना नहीं हुई। यह बात लीजेंड सिंगर आशा भोसले को बिल्कुल पसंद नहीं आई। उन्होंने गुस्से में कहा, ₹अगर कोई कहे कि बर्मन साहब नाक से गाते थे, तो उसे थप्पड़ मारना चाहिए।₹ इस बयान ने खूब सुर्खियां बटोरीं। बाद में हिमेश ने अपनी गलती मानी और आशा भोसले से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि वह आशा जी का सम्मान करते हैं और उनका बयान गलतफहमी का नतीजा था।

अभिनय से जुड़ने का सफर

बॉलीवुड में हिमेश का सफर 1998 में सलमान खान की फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' से बतौर संगीतकार शुरुआत हुआ। इसके बाद उन्होंने 'तेरे नाम', 'ऐतराज' और 'बॉडीगार्ड' जैसी फिल्मों में उनके गाने सुपरहिट हुए। गायकी के अलावा उन्होंने 'आप का सुरूर' से एक्टिंग में भी कदम रखा, लेकिन अभिनय में उन्हें ज्यादा सफलता नहीं मिली।

हिमेश की आगामी फिल्म

हिमेश अपनी फिल्म 'बैडएस रविकुमार' को लेकर भी खूब चर्चा में रहे। फिल्म के एक सीन में उनके कॉन्सर्ट्स में फैंस की भीड़ उमड़ती है, जहां वह 'आशिक बनाया आपने' जैसे गानों पर झूमते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इसी फिल्म के एक इंटरव्यू के दौरान हिमेश ने कहा, 'मेरे लिए नाक से गाना नहीं, बल्कि हाई-पिच में गाना था। यह एक आशिक का दर्द भरा अंदाज था।'

अक्षय कुमार को किस बात का सताया खौफ, पत्नी ट्विंकल खन्ना तो नहीं वजह? बोले– डरा हुआ हूं

बॉलीवुड की दो बिंदास अदाकाराएं- ट्विंकल खन्ना और काजोल अब पर्दे पर नहीं, बल्कि ओटीटी की दुनिया में एक साथ आ रही हैं। हालांकि इस बार न तो वो किसी फिल्म में अभिनय कर रही हैं और न ही किसी सीरीज में साथ नजर आएंगी, बल्कि दर्शकों को एक नए और अनोखे टॉक शो से दोनों मिलकर एंटरटेन करते हुए नजर आएंगी। बस इसी बात से खिलाड़ी कुमार को डर लगा रहा है। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको बताते हैं।

एक साथ आ रहीं काजोल और ट्विंकल

अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना और अजय देवगन की पत्नी काजोल दोनों ही एक समय बॉलीवुड की चर्चित हीरोइनों में रही हैं। हालांकि अब ये दोनों अभिनेत्रियां टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के जरिए होस्ट की भूमिका में दिखने के लिए तैयार हैं। प्राइम वीडियो ने दोनों के पोस्टर को रिलीज भी कर दिया है। अब इनके पोस्टर पर अक्षय कुमार का भी रिएक्शन आ गया है।

अक्षय कुमार का रिएक्शन

खिलाड़ी कुमार ने काजोल और ट्विंकल खन्ना के इस पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपने डर का जिक्र किया है। अब ये तो हर कोई जानता है कि काजोल और

ट्विंकल खन्ना दोनों अपनी-अपनी बात बड़ी ही बेबाकी से रखती हैं, ऐसे में टॉक शो में भी काफी कुछ धमाकेदार होने की उम्मीद है। बस इसी बात को सोचकर अक्षय ने लिखा है- 'दोनों को साथ देखकर ही डर लग रहा है, शो में क्या होगा सोच नहीं सकता।'

प्राइम वीडियो पर होगा स्ट्रीम

इस शो का निर्माण बनिजेय एशिया द्वारा किया जा रहा है, जो पहले भी कई मशहूर शो और रियलिटी फॉर्मेट्स ला चुका है। इसे जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। इस शो की एक और खासियत है इसकी गेस्ट लिस्ट, जिसमें बॉलीवुड के बड़े नाम शामिल होंगे। हर एपिसोड में कोई न कोई चर्चित चेहरा शो का हिस्सा बनेगा और दर्शकों को मिलेगा एक बेहद मनोरंजक और बिंदास बातचीत का अनुभव।

मालामाल हुई अहान पांडे की फिल्म, पहले वीकेंड 100 करोड़ के करीब पहुंची

सैयारा ने अपनी रिलीज के तीन दिन पूरे कर लिए हैं. फिल्म बीती 18 जुलाई को वर्ल्डवाइड रिलीज हुई थी. सैयारा साल 2025 की आठवीं सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली फिल्म है. सैयारा ने अपनी ओपनिंग कमाई से रेड 2, जाट और सितारे जमीन पर का रिकॉर्ड तोड़ा है. सैयारा 20 जुलाई को अपना पहला वीकेंड पूरा कर चुकी है और फिल्म आज 21 जुलाई को अपने पहले सोमवार में एंटर कर चुकी है. सैयारा ने अपने पहले रविवार कितने की कमाई की है और फिल्म अपने पहले वीकेंड में कितना कलेक्शन कर चुकी है आइए जानते हैं.

सैकनिल्क की मानें तो फिल्म सैयारा ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 21 करोड़ रुपये से ओपनिंग ली थी. अहान पांडे और अनीत पड्डा की लव-स्टोरी फिल्म ने दूसरे दिन यानि पहले शनिवार 25 करोड़ रुपये और तीसरे दिन यानि पहले रविवार 37 करोड़ रुपये (अनुमानित) का कलेक्शन किया है. सैयारा ने अपने पहले

वीकेंड में 83 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. सैयारा के प्रति दर्शकों के क्रेज को देखते हुए अब 100 करोड़ रुपये के आंकड़ें को छूने में ज्यादा वक्त नहीं लेगी.

बता दें, फिल्म सैयारा को मोहित सूरी ने डायरेक्ट किया है. इससे पहले वह आशिकी 2 और एक विलेन जैसी लव-स्टोरी फिल्में डायरेक्ट कर चुकें हैं. फिल्म सैयारा से अहान पांडे ने डेब्यू किया है, जो कि चंकी पांडे के भतीजे और अनन्या पांडे के कजिन हैं. फिल्म यशराज बैनर तले बनी है. फिल्म को लेकर कई सेलेब्स ने भी पॉजिटिव रिस्पॉन्स दिया है.

मोहित ने एक बार फिर अपनी अनोखी प्रेम कहानी से युवाओं का दिल जीत लिया है और ज्यादातर लोगों का यही कहना है कि उन्होंने फिर सिनेमाघरों में आशिकी 2 वाला जादू चलाया है। एक ओर जहां इस फिल्म में अहान-अनीत की जोरदार केमिस्ट्री ने दर्शकों को उनका दीवाना बना दिया है, वहीं वर्ड ऑफ माउथ का भी इस फिल्म को जबरदस्त फायदा मिल रहा है। फिल्म में अहान ने कृष और अनीत ने वाणी का किरदार निभाया है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com